

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com

Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com

इंदौर, शनिवार 13 अप्रैल, 2024

वर्ष-11 अंक-345

मूल्य -1 रु.

कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

पंचम दिवस



स्कंदमाता

देवी मां का पांचवां रूप स्कंदमाता के नाम से प्रचलित है। भगवान कार्तिकेय का एक नाम स्कन्द भी है जो ज्ञानशक्ति और कर्मशक्ति के एक साथ सूचक हैं। स्कन्द इन्हीं दोनों के मिश्रण का परिणाम है।

शराब नीति केस में अब और घिरी के कविता

- सीबीआई को 15 अप्रैल तक मिली बीआरएस नेता की रिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में पूर्व सीएम केसीआर की बेटी के. कविता को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 15 अप्रैल तक सीबीआई की कस्टडी में भेजा है। सीबीआई ने कविता से पूछताछ करने के लिए 5 दिन की रिमांड मांगी थी। सीबीआई का कहना है कि शराब नीति से जुड़ी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए कविता का सबूतों से सामना कराने की जरूरत है। उन्होंने एएपी को रिश्वत के भुगतान के संबंध में संतोषजनक



जवाब नहीं दिया। उधर, के. कविता के वकील ने सीबीआई के इस एवशन को अवैध बताया है। उन्होंने जांच एजेंसी पर मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। कविता मनी लॉन्ड्रिंग केस में 26 मार्च से न्यायिक हिरासत में थीं। एजेंसी ने गुरुवार (11 अप्रैल) को के. कविता को तिहाड़ जेल में गिरफ्तार किया था। रिमांड मिलने पर कविता को सीबीआई हेडक्वार्टर ले जाया जाएगा, जहां उनसे पूछताछ होगी। इससे पहले सीबीआई ने 6 अप्रैल को तिहाड़ में कविता से पूछताछ की थी। सीबीआई ने कविता को धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), धारा 477-ए (खातों में हेराफेरी) में गिरफ्तार किया है।

छिंदवाड़ा : मोदी V/S कमलनाथ

भाजपा प्रत्याशी बंटी साहू और कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ चुनावी परिदृश्य से गायब

भाजपा के रणनीतिकारों ने डेढ़ से तीन लाख वोटों से जीतने का लक्ष्य रखा, मुकाबला फिर भी कशमकश भरा

छिंदवाड़ा से डॉ. देवेन्द्र मालवीय
9827622204

मध्यप्रदेश का बहुचर्चित लोकसभा क्षेत्र छिंदवाड़ा पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ का राजनीतिक भविष्य तय करेगा। पूरा मुकाबला भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व् कमलनाथ के बीच मुड़ चुका है। जिसकी वजह से चुनावी परिदृश्य से भाजपा प्रत्याशी बंटी साहू और कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ गायब हैं। चर्चा का केंद्र कमलनाथ और मोदी बन गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों ने इस बार छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र को डेढ़ से तीन लाख वोटों से जीतने का लक्ष्य रखा है। कमलनाथ का छिंदवाड़ा में लगभग चालीस सालों से कब्जा है। पहली बार छिंदवाड़ा में कमलनाथ को चुनौती मिलती दिखाई दे रही है। हालांकि छिंदवाड़ा में चुनाव प्रचार अपने शिखर पर



V/S

नहीं आया है। इसके बावजूद भाजपा ने अपनी पूरी ताकत जीत के लिए लगा दी है। चुनाव नजदीक आते आते रामनवमी आ जाएगा। जिसको लेकर माना जा रहा है कि छिंदवाड़ा का चुनावी परिदृश्य और तेजी के साथ भाजपा के पक्ष में झुक जाएगा। कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के कमलनाथ का साथ छोड़ने के बाद जनता के बीच यह मुद्दा जबर्दस्त तरीके से चर्चा का विषय बन गया है। जिसने जनता के मन को परिवर्तित करने में बड़ा योगदान दिया है। इसके पूर्व के चुनाव में छिंदवाड़ा का मतदाता एकतरफा कमलनाथ के पक्ष में रहता आया है। जनता पहली बार कमलनाथ के साथ साथ भाजपा के पक्ष में मुखर हुई है। जिसका सारा श्रेय मोदी को जाता हुआ दिखाई देता है।

हालांकि कमलनाथ जनता अपने रिश्तों की दुहाई दे रहे हैं। जनता जिसकी तुलना मोदी के कार्यों और भविष्य में छिंदवाड़ा के विकास को लेकर विचार कर रही है।

पांच लाख वोटों से जीतेंगे छिंदवाड़ा - कैलाश विजयवर्गीय

मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि इसी तरह उत्साह बना रहा तो छिंदवाड़ा पांच लाख वोटों से ऊपर जीतेंगे। उन्होंने कहा कि



जब मैं छिंदवाड़ा में पहली बार आया था तबसे और आज में जबर्दस्त अंतर देख रहा हूँ। नागपुर और छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि मैं छिंदवाड़ा को गोद लूंगा और यहां की तस्वीर बदल दूंगा। छिंदवाड़ा को इंद्रौर सा बनाएंगे और एक नंबर की लोकसभा बनाएंगे। जल्द ही छिंदवाड़ा अयोध्या बनेगा।

पाकिस्तान-मालदीव के सुर में गा रहा था तुर्की

भारत ने दे दिया 22 हजार करोड़ का फटका, टेंशन में 'खलीफा'



अंकारा/नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और मालदीव की मुझ्जु सरकार के सुर में सुर मिला रहे तुर्की को भारत ने कड़ा सबक सिखाया है। भारत ने 22 हजार करोड़ के नौसैनिक युद्धपोतों की डील से तुर्की की कंपनियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। रक्षा मंत्रालय ने घरेलू शिप बिल्डिंग कंपनियों को आगे बढ़ाने के लिए तुर्की की कंपनियों से सभी ठेके रद्द करके हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड को दे दिया है। इस डील के तहत 5 फ्लीट सर्पोट शिप बनाया जाना है। बुधवार को विशाखापत्तनम में पहले शिप की

स्टील कटिंग सेरेमनी भी संपन्न हो गई। भारत ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब हाल के दिनों तुर्की ने भारत के खिलाफ कई विरोधी

कदम उठाए हैं। अब तक पाकिस्तान को ड्रोन और मिसाइलें देने वाले तुर्की ने अब मालदीव को भी टीबी-2 किलर ड्रोन दिया है जहां की मुझ्जु सरकार इन दिनों भारत के खिलाफ जहर उगल रही है। इससे पहले तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने कश्मीर मामले को कई बार संयुक्त राष्ट्र के मंच पर उठाया है। यही नहीं पाकिस्तान के इशारे पर अक्सर तुर्की भारत के खिलाफ बयान देते रहता है। 5 सर्पोट शिप बनाने का यह ठेका हिंदुस्तान शिपयार्ड को मिल गया है।

राजधानी के जिला अस्पताल में दवाइयों का जबरदस्त टोटा

घाव का मरहम-सामान्य दर्द की दवाएं तक नहीं मिल पा रही

भोपाल राजधानी के मॉडल कहे जाने वाले जिला अस्पताल जय प्रकाश (जेपी) की ओपीडी में आने वाले मरीजों को दवाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। मरीजों को आधी से ज्यादा दवाएं महंगे रेट में बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। हालात यह हैं कि यहां घाव ठीक करने वाला मरहम और सामान्य दर्द की दवाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। गौरतलब है कि तीन दिन की छुट्टी के बाद शुक्रवार को अस्पताल में मरीजों की भीड़ देखने को मिली। मरीज और उनके परिजन दवा लेने के लिए तीन-तीन घंटे लाइन लगकर अपने नंबर का इंतजार करते रहे और बाद उन्हें दो या तीन दवाएं ही मिलीं। कई मरीजों ने दवा नहीं

मिलने पर नाराजगी व्यक्त की। पैर में चोट लगने पर जेपी अस्पताल में इलाज कराने अई रानो बाई ने बताया कि डॉक्टर ने ओपीडी में दवाएं लिखी थीं, जिनमें से तीन दवाएं उन्हें बाहर से खरीदने के लिए कहा गया, क्योंकि उक्त दवाओं का स्टॉक खत्म हो गया है। रानो बाई ने बताया कि उन्हें डॉक्टर ने जो मरहम लिखा वह अस्पताल में नहीं मिल पाया है। पेट में दर्द होने के बाद उपचार के लिए ओपीडी में आए उमाकांत ने बताया कि डॉक्टर ने पांच दवाएं लिखी थीं, पर मुझे दो ही दवाएं मिलीं। मैं तो सक्षम हूँ बाहर से खरीद लूंगा, लेकिन कई लोग ऐसे हैं, जिनके पास पैसे नहीं हैं।

राहुल-प्रियंका की उदयपुर लोकसभा में सभा की तैयारी

- 20 अप्रैल बाद आएंगे स्टार प्रचारक, पहले पूर्व सीएम गहलोत की हो सकती सभा

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में पहले चरण के मतदान के बाद दूसरे चरण के मतदान को लेकर उदयपुर लोकसभा सीट को लेकर कांग्रेस के स्टार प्रचारकों का आना शुरू होगा। यहां कांग्रेस पार्टी के बड़े चेहरे आएंगे। नेताओं की सभा को लेकर तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। स्टार प्रचारक राहुल गांधी और प्रियंका से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का उदयपुर में दौरा संभावित है। गहलोत की यहां सभा जिला मुख्यालय पर ही कराने की तैयारी है। गहलोत की सभा की 15 से 16 अप्रैल के बीच होने की संभावना है। कांग्रेस का जोर है कि गहलोत की यह सभा शहर के आरके सर्कल से लेकर भुवाणा के आस-पास के इलाके में कराई जाए। इसके पीछे सोच यह है कि उदयपुर शहर, उदयपुर ग्रामीण, मावली और गोंगुदा विधानसभा का एरिया कवर हो जाएगा।



नर्मदापुरम में प्रधानमंत्री मोदी के आगमन की जबरदस्त तैयारी

6 एकड़ में डोम, टेंट लगाना शुरू, हेलीपैड बनकर हुआ तैयार

भोपाल। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नर्मदापुरम जिले के पिपरिया आएंगे। होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के समर्थन में प्रधानमंत्री मोदी चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी करीब 11.40 बजे पिपरिया पहुंचेंगे। करीब 45-50 मिनट सभास्थल पर रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर पांच दिनों से प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तर पर तैयारियां जोरों पर जारी हैं। पंचमडी रोड पर सेंट जोसेफ स्कूल के सामने पड़े 6 एकड़ के खाली क्षेत्र को सभास्थल बनाया जा रहा है।



चौधरी के समर्थन में प्रधानमंत्री मोदी चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी करीब 11.40 बजे पिपरिया पहुंचेंगे। करीब 45-50 मिनट सभास्थल पर रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर पांच दिनों से प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तर पर तैयारियां जोरों पर जारी हैं। पंचमडी रोड पर सेंट जोसेफ स्कूल के सामने पड़े 6 एकड़ के खाली क्षेत्र को सभास्थल बनाया जा रहा है।

अब पूर्व विधायक पारुल साहू ने भी थामा बीजेपी का दामन

सीएम मोहन यादव बोले-कांग्रेस का दोहरा चरित्र अब और नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को एक के बाद एक करारें झटके लग रहे हैं। पूर्व विधायकों के भाजपा में जाने का सिलसिला नहीं थम रहा। अब सागर जिले की सुरक्षी विधानसभा सीट से पूर्व



विधायक पारुल साहू भी भाजपा में शामिल हो गई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नवरात्रि में देवी शक्ति की कृपा से लगातार भाजपा की शक्ति बढ़ रही है। नवरात्रि में एक महिला नेता का भाजपा

में आना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा की न्यू जॉइनिंग कमेटी

अलावा जनपद सदस्य गैरतगंज रिजवान खान, जनपद सदस्य बेगमगंज वीरेंद्र सिंह यादव, जनपद सदस्य गैरतगंज दीपक धाकड़, जनपद सदस्य बेगमगंज सुरेश, देवेन्द्र, पूर्व प्रदेश प्रतिनिधि कांग्रेस कमेटी वीरेंद्र सिंह यादव, मध्यप्रदेश पुलिस कर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष बल्लू यादव, यादव महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष शेर सिंह यादव, रायसेन पसमांदा मुस्लिम समाज जिलाध्यक्ष अफरोज अली, वरिष्ठ पत्रकार कृष्णा यादव बिंदू, बेगमगंज युवा कांग्रेस ब्लॉक पूर्व अध्यक्ष संदीप यादव, शासकीय महाविद्यालय छिंदवाड़ा पूर्व अध्यक्ष शाहिद खान सहित सरपंच, सरपंच प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत एवं पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास उपस्थित थे।

- राजगढ़ में 400 लोगों को इकट्ठा कर रहे दिग्विजय सिंह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल से दिग्विजय सिंह मैदान छोड़कर राजगढ़ चले गए। यहां भी वह चुनाव जीतने के लिए 400 लोगों को इकट्ठा कर रहे हैं, लेकिन वहां भी वह हार जाएंगे। प्रदेश की खस्ता हालत बनाने में मिस्टर बंटादार दिग्विजय सिंह का हाथ रहा है। शिवराज सिंह ने सत्ता संभालने के बाद प्रदेश को बीमारू से विकसित राज्य बनाया। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश को नंबर वन राज्य बनाने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. यादव ने कहा कि पुरानी योजनाओं को बंद नहीं किया जाएगा और प्रदेश के विकास के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी पार्टी में राजनीतिक सुविधा अहम है। पार्टी में बुद्धिजीवी और अच्छे लोग आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश-प्रदेश का विकास करना चाहते हैं। जिन्होंने आज पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की विकास की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ली है उन सभी के अपने-अपने क्षेत्रों के विकास के सपने को पूरा किया जाएगा। हम सब मिलकर लोकसभा चुनाव में सभी 29 सीटें जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हाथ को मजबूत करेंगे, ताकि भारत विजय गुरु बन सके।

अतीक, अशरफ और असद को भी आखिर मिल गई 'ईदी'

लावारिश कब्रों पर फूलों की चादर चढ़ा गया कोई

शाइस्ता पर लग रहीं अटकलें, मिल रही थी लोकेशन

प्रयागराज (एजेंसी)। वक्त से बड़ा कुछ नहीं है। एक समय में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की अपराध जगत और राजनीति में बड़ी धमक थी लेकिन आज दोनों की कब्रें लावारिश हालत में हैं। एक साल पहले 15 अप्रैल को दोनों की हत्या हुई थी। उसके बाद से अतीक, अशरफ और अतीक के बेटे असद की कब्रों पर न तो फातिहा पढ़ा गया न ही रोशनी हुई। लेकिन 11 अप्रैल को ईद के मौके पर देखा गया कि इन तीनों ही कब्रों पर किसी ने गुलाब के फूलों की चादर चढ़ाई हुई है। इसकी चर्चा चारों ओर फैल गई। अटकलें लगाईं जांनें लगीं कि आखिर कौन था वह शख्स कहीं अतीक की फरार बीवी शाइस्ता परवीन तो नहीं चोरी छिपे आई थी। प्रयागराज में ईद की



उसने आस-पास के लोगों को बताया। बात धीरे-धीरे हवा में आग की तरह फैल गई। कुछ लोग जल्द ही कब्रिस्तान की ओर बढ़ चले। कुछ ने फोटो खींच कर दूसरों को भेजे।

संक्षिप्त समाचार

सिंधी समाज ने शहर में निकाली शोभायात्रा : झुलेलाल जयंती पर घरों पर फहराए केसरिया ध्वज



हरदा (निप्र)। सिंधी समाज ने बुधवार शाम को चेटीचंड के अवसर पर शहर में भव्य जुलूस निकाला। सिंधी समाज ने भगवान झुलेलाल देव मंदिर में सुबह से समाज के लोगों ने जयंती महोत्सव को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर बुधवार शाम को बड़ी सिंधी कॉलोनी स्थित झुलेलाल मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें समाज के युवा एवं महिलाओं ने गाजे बाजे के साथ जमकर नृत्य किया। शोभायात्रा में गुरुनानक देव की पालकी को आकर्षक रूप से सजाया गया था। जयंती अवसर पर घरों में झुलेलाल लिखा केसरिया ध्वज फहराया गया और दीपक जलाकर प्रकाशोत्सव मनाया। इसके पहले सिंधी कॉलोनी स्थित भगवान झुलेलाल के मंदिर में सुबह कीर्तन किया गया। जिसके बाद दोपहर में विशाल लंगर का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर सिंधी समाज के लोगों ने भगवान झुलेलाल की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की जनता की खुशहाली की प्रार्थना की।

भारतीय खाद्य निगम भारत सरकार के सीजीएम द्वारा अनेक वेयरहाउसों का निरीक्षण



सीहोर (निप्र)। भारतीय खाद्य निगम भारत सरकार दिल्ली के सीजीएम श्री देवाशोष मिश्रा ने सीहोर जिले के अनेक वेयाहाउसों का निरीक्षण किया। सीजीएम द्वारा रघु वेयरहाउस समिति बिल्किस्मगं, भवानी वेयर हाउस समिति दाबला, धनश्री वेयरहाउस समिति चंदेरी, तथा लायन वेयरहाउस समिति बमुलिया का निरीक्षण किया गया। भारतीय खाद्य निगम का निरीक्षण के दौरान उपाजिन केन्द्रों में किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, उपाजिन केन्द्र में बारदानों की उपलब्धता, किसानों की बैठक व्यवस्था, पेयजल, खरीदी केन्द्र में लगाए गए पोस्टर, बैनर, सहित समस्त व्यवस्थाओं सुचारु रूप से संचालित होना पाया गया।

अमन, चैन देश की खुशहाली की दुआ के साथ रोजदारों ने पढ़ी नमाज, सभी करें मतदान



नर्मदापुरम (निप्र)। आज गुरुवार को देशभर में ईद-उल-फितर पर्व मनाया जा रहा है। सुबह 7.30 बजे शहर के ईदगाह में ईद-उल-फितर की मुख्य नमाज अता की गई। मुस्लिम धर्मावलंबियों ने अमन, चैन और देश में खुशहाली की दुआएं मांगी। एक-दूसरे से गले मिलकर प्यार बांट कर ईद की मुबारक दी। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते इस बार कोई जनप्रतिनिधि या जिला अधिकारी नहीं पहुंचे। लेकिन इस बार नमाज के साथ शहर काजी हाफिज मोहम्मद अशफाक अली ने सभी से चुनाव में वोटिंग करने जाने की अपील की। उन्होंने कहा मतदान करना हम सभी का अधिकार है। वोट कर अपने अधिकार का उपयोग करें, एक अच्छे प्रतिनिधि को चुने। ताकि लोकतंत्र मजबूत रहे। ईदगाह पर मुख्य नमाज करीब 2500 से ज्यादा लोगों ने नमाज पढ़ी। जिसके बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारक दी। तय समय अनुसार ईद की नमाज ईदगाह के अलावा शहर की अलग-अलग 4 मस्जिदों में हुई। ईदगाह पर शहर काजी हाफिज मोहम्मद अशफाक अली ने नमाज पढ़ी।

चिराग के लिए जमुई में अपनी पार्टी का चिराग जलाए रखना है बड़ी चुनौती, सेक्टर आफिसर व पुलिस अधिकारियों की संयुक्त कार्यशाला सम्पन्न

निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की चूक ना करें-कलेक्टर वैद्य

विदिशा (निप्र)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के लिए नियुक्त सेक्टर आफिसर व पुलिस अधिकारियों की संयुक्त कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया था। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया में सेक्टर आफिसर और पुलिस अधिकारियों की महती भूमिका है। सेक्टर अधिकारी मतदान केन्द्र के अंदर व बाहर दोनों जगह सहयोगी होती है बाहर के क्षेत्रों में वे मजिस्ट्रेट के दायित्वों का निर्वहन करते हैं वहीं मतदान केन्द्र के अंदर मतदान से संबंधित कोई भी समस्या आती है तो उसका समाधान सबसे पहले कराते है। उन्होंने कहा कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के दौरान जिन अधिकारियों को सेक्टर आफिसर का दायित्व सौंपा गया था उन ही अधिकारियों को लोकसभा निर्वाचन में भी सेक्टर आफिसर नियुक्त किया गया है और कार्यक्षेत्र भी पूर्वानुसार तय किया गया है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के द्वारा समय-समय पर जारी होने वाले नवीन दिशा निर्देशों का भी बारीकी से अध्ययन कर क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि



प्रशिक्षण को गंभीरता से ले और मास्टर टेऊसों द्वारा दी जा रही जानकारियों को आत्मसात करें। निर्वाचन संबंधी कार्यों में अति आत्म विश्वास में ना रहें। कोई भी छोटा सा छोटा कार्य में यदि कहीं चूक हो जाती है तो इस चूक पर सम्पूर्ण जिले पर प्रश्न लगता है अतः किसी भी प्रकार चूक ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्वाचन कार्य में कहीं अंगुली ना उठे इसके लिए स्वयं तटस्थ रहे और ऐसी ही कार्यप्रणाली कार्यों में प्रदर्शित करें। निर्वाचन संबंधी कार्यों के दायित्व क्रियान्वयन में यदि कहीं कोई दिक्कत आती है तो अविलम्ब जानकारी में लाएं। जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्ति के उपरांत ही प्रशिक्षण स्थल सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि

आफिसर और पुलिस अधिकारी आपसी समन्वय से सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया पर नजर रखें और ऐसी ही प्रेरणा ग्राम स्तर के कर्मचारियों तक पहुंचे को पाबंद कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वे सूचना तंत्र को अपने स्तर पर उन्नत करें ताकि भ्रमण के दौरान तमाम जानकारियां अविलम्ब प्राप्त हो सकें। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि जिस प्रकार विधानसभा चुनाव में सेक्टर आफिसर और पुलिस अधिकारियों ने आपसी समन्वय से निर्वाचन कार्यों को संपादित किया है ठीक वैसे ही एकजुटता लोकसभा चुनाव में होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि निर्वाचन के दौरान सुरक्षा को ध्यानगत रखते हुए

तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। जिसमें वाहन पेट्रोलिंग के अलावा थाना स्तर पर किए जाने वाले प्रबंध को रेखांकित किया है। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने मतदान के पूर्व और मतदान के दिन बरती जाने वाली सावधानियां, सुरक्षा को सदैव प्रस्तुत किया।

उन्होंने बल्लेबल, क्रिकेटकल मतदान केन्द्रों की निगरानी के लिए क्या प्रबंध किए जाएं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षणार्थियों को अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने भी सम्बोधित किया इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया मौजूद रहे। मास्टर टेऊसों श्री अजय श्रीवास्तव, श्री विजय श्रीवास्तव, श्री राकेश बरसेया ने सेक्टर अधिकारी एवं पुलिस अधिकारियों के लिए निर्वाचन के दौरान निर्धारित दायित्व और आयोग से प्राप्त दिशा निर्देशों पर आधारित जानकारियां पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत कर प्रशिक्षित किया। वहीं प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया है। लोक सभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत आज विदिशा के रविंद्र नाथ टैगोर ऑडिटोरियम भवन में सेक्टर ऑफिसर व सेक्टर पुलिस

अधिकारियों की संयुक्त कार्यशाला में मास्टर टेऊसों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान बतलाया गया कि जिले के कुल 1341 मतदान केन्द्रों के लिए कुल 138 सेक्टर ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं। जबकि 26 सेक्टर ऑफिसरों को रिजर्व में रखा गया है।

सेक्टर अधिकारी के दायित्व : चुनाव प्रबन्धन, निर्वाचक नामावली सम्बन्धी गतिविधियां, मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप), ईवीएम जागरूकता, व्हीएम रिपोर्ट्स, मतदान केन्द्रों पर एम एफ का सत्यापन (अंतिम अद्यतन), अनुपस्थित मतदाताओं को पीबी से मतदान सुविधा हेतु फार्म 12 डी के वितरण एवं वापसी कार्य की मॉनीटरिंग एवं रिपोर्टिंग, मतदाता उपस्थिति (अंतिम 2 आम चुनावों में), मतदाता लिंग अनुपात की जानकारी, आदर्श आचरण संहिता उद्धरण के मामले (अंतिम 2 आम चुनावों में), वोट इनफार्मेशन स्लिपस वितरण कार्य की मॉनीटरिंग, अपने सेक्टर के मार्ग व नक्शे, मतदान केन्द्रों की सम्पूर्ण जानकारी, कम्प्यूटेशन की जानकारी, प्री-पोल डे (पी-1 डे) के दायित्व, पोल डे के दायित्व, (पी-1 डे) के दायित्व, ईवीएम की कार्यप्रणाली, मतदान प्रक्रिया। ईवीएम का रिफ्लेसमेंट एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल, कानून व्यवस्था व आयोग के निर्देश शामिल हैं।

झुलेलाल जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सेल्फी पॉइंट स्थापित कर मतदाता जागरूकता का संदेश

विदिशा (निप्र)। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत आज विदिशा के सिंधी कॉलोनी स्थित सिंधी धर्मशाला में झुलेलाल जयंती महोत्सव अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भस्कर ने मतदाता जागरूकता का संदेश दिया है। जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर भस्कर ने यहां मतदाता जागरूकता हेतु स्थापित किए गए सेल्फी पॉइंट पर पहुंचकर सेल्फी खिंचवाई और जिले के समस्त मतदाताओं को संदेश दिया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में अपने मत का प्रयोग अवश्य करें। सिंधी धर्मशाला में आयोजित विविध कार्यक्रमों में पहुंचने



वाले समाज जनों को मतदान दिवस 7 मई को अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश देने के लिए सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया था, ताकि मतदाता बंधु सेल्फी लेकर मतदान के प्रति सजग

हो सकें। इस दौरान समाज जनों के द्वारा सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी खिंचवाई गई है।

संदेश : विदिशा जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़े व जिला सर्वाधिक मतदान वाला जिला बने इस उद्देश्य से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता के संदेशों का प्रसारण कार्य सतत जारी है। जिसके क्रम में आज ग्राम पंचायत बरखेड़ा जाट में ग्रामीण मतदाताओं को मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन कराकर गया है। इसके अलावा ग्राम पंचायत जीवाजीपुर में भी गांव के वृद्ध मतदाताओं को मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन करवाया साथ ही गांव में निवासरत दिव्यांग मतदाताओं से भी डोर-टू-डोर संपर्क कर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करते हुए मतदान के महत्व से अवगत कराया है।



वाहनों की जांच पड़ताल कार्य सतत जारी

विदिशा (निप्र)। वाहनों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाए जाने तथा उच्च न्यायालय खंडीपट्ट जबलपुर द्वारा वाहनों में हाई सिस्कोरिटी नंबर प्लेट लगवाए जाने हेतु जारी आदेशों के परिपालन में कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन में जिले में वाहनों की जांच पड़ताल कार्य सतत जारी है। कलेक्टर श्री वैद्य के निर्देशन में आज जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा द्वारा गुलाबगंज एवं विदिशा में वाहनों की चेकिंग कार्यवाही की गई है। इस कार्यवाही के दौरान 33 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए जाने के पर उक्त विरुद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर 26 वाहनों से शमन शुल्क 23 हजार 500 रुपये वसूल किया गया तथा शेष 07 वाहन प्रकरण निराकरण की प्रत्याशा में जप्त कर पुलिस थाना गुलाबगंज में सुरक्षार्थ रखे गए हैं। कार्यवाही के दौरान विशेष रूप से वाहनों में पात्रता से अधिक सवारी होने, भारवाही वाहनों में सवारी डोने एवं वाहनों में वैध प्रपत्र ना होने तथा वाहन में अनुपेय सीमा के बाहर माल भर होने के संबंध में साथ ही वाहनों में नियमानुसार नंबर प्लेट लगी ना होने, अवैध रूप से हट्टर लगे होने पर कार्यवाही की गई है। इस चेकिंग कार्रवाई के दौरान लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु आवश्यक बुलेटो, स्क्रॉपिंगो आदि वाहनों की उपलब्धता हेतु 25 वाहनों को अधिग्रहण आदेश तामील कराए गए हैं।

33 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए गए, 26 से वसूला शमन शुल्क

ऊदबिलाव के गले में पहली बार डाली कॉलर आईडी: सुरक्षित जंगल में छोड़ा, उस पर करेंगे अध्ययन

नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में विलुप्त प्रजाति के ऊदबिलाव के गले में पहली बार काफ़र आईडी डाली गई है। अभी तक बाघ के गले में ही निगरानी के लिए डाली जाती थी, लेकिन ऊदबिलाव के अध्ययन के लिए पहली बार रेंडियो चिप लगाया गया है। कामती परिक्षेत्र के नागद्वारी नदी में ऊदबिलाव मिला। एसटीआर के डॉक्टर गुरुदत्त शर्मा, रेस्क्यू टीम और डब्ल्यूसीटी टीम ने ऊदबिलाव का सुक्ष्मता से अध्ययन करने के लिए उसका सुरक्षित रेस्क्यू कर उसमें रेंडियो चिप लगाकर उसे वापस नदी किनारे रिलीज कर दिया गया। एसटीआर में क्षेत्र उप संचालक पूजा नागले ने बताया एसटीआर के स्वच्छ जल में पाया गया दुर्लभ यूरेशियन ऊदबिलाव को प्रकृति संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ द्वारा पट्टी संरक्षा के कारण विलुप्त प्राय श्रेणी में रखा गया है। पर्यावरण और जैव विविधता की सुरक्षा, संरक्षण में विशेष योगदान देने वाले यूरेशियन ऊदबिलाव का जीवनकाल मात्र चार वर्ष का होता है और यह 3-4 बच्चों ही देते हैं। मप्र वन विभाग और डब्ल्यूसीटी द्वारा बाघ पर्यावरण और जैव विविधता की सुरक्षा, संरक्षण और अध्ययन के उद्देश्य से पहली बार सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और कान्हा पंच



कॉरिडोर के 5800 वर्ग किमी के विशाल क्षेत्र में कैमरे लगाए गए थे। क्षेत्र में कुछ स्थानों पर न केवल यूरेशियन ऊदबिलाव की उपस्थिति मिली, बल्कि इस प्रजाति के पहली बार प्रमाणिक फोटोग्राफ भी उपलब्ध हुए। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, नर्मदापुरम के क्षेत्र संचालक एल कृष्णमूर्ति एवं उपसंचालक पूजा नागले के निर्देशन में परिक्षेत्र कामती की नागद्वारी नदी के स्वच्छ जल में यूरेशियन ऊदबिलाव को पाया गया। सुक्ष्मता से अध्ययन करने के रेंडियो चिप लगाकर उसे आवास स्थल के पास छोड़ दिया गया।

विलुप्ति की कगार पर ऊदबिलाव

ऊदबिलाव ल्युतिनाई नाम के वीजल परिवार की शाखा में मांसाहारी स्तनधारी है। दुनिया में ऊदबिलाव की 13 प्रजातियां हैं, जो खत्म होने की कगार पर हैं। यह जलौय स्तनधारी चतुर, बातूनी और खुशबूदार होती है।

60 लीटर अवैध कच्ची शराब जळ की करता। पुलिस ने मुखबिबर की सूचना पर गोंदागांव खुर्द से एक आरोपी से 60 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब जळ की। जानकारी के अनुसार राहगीर पंचान की मदद से पुलिस ने अर्जुन पिता नर्मदाप्रसाद कुवर्बेडिया (24), निवासी आर्याबेडी कॉलोनी, गोंदागांव से पूछताछ की। जिसमें उसके पास से अवैध हाथ भट्टी कच्ची शराब से भरी 15-15 लीटर की चार प्लास्टिक कुपियां जळ की। जिसकी कीमत करीब 12 हजार रुपए है। आबकारी एवट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

शॉर्ट सर्किट से नरवाई में लगी आग, तेज हवा से गांव के दो घरों तक पहुंची

कमताड़ा (निप्र)। गांव से करीब आधा किमी दूर स्थित खेत में नरवाई में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। मंगलवार सुबह से ही क्षेत्र में तेज हवा चल रही थी, इसके चलते नरवाई में लगी आग की चिंगारी कमताड़ा गांव के बाहरी छोर पर स्थित दो घरों तक पहुंच गई। हालांकि ग्रामीणों के प्रयास और समय पर दो फायर ब्रिगेड के पहुंच जाने से आग पर अधिक नुकसान होने से पहले काबू पा लिया गया। नरवाई में आग लगने के बाद तेज हवा से गांव के पास स्थित बांस के बीड़े तक पहुंची जहां से आग गांव के दिलीप सिंह राजपूत, धनसिंह राजपूत के घर तक पहुंच गई।

शांति समिति की बैठक सम्पन्न

त्यौहार भाईचारे के प्रतीक

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले का इतिहास रहा है कि सभी त्यौहार भाईचारे की भावना को और अधिक बढ़ावा देते हैं। आगामी त्यौहारों के परिपेक्ष्य में की जाने वाली तैयारियों की बिन्दुवार चर्चा आज शांति समिति की बैठक में की गई। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई इस बैठक में उन्होंने समिति के पदाधिकारियों द्वारा दिए गए जन हितैषी सुझावों के साथ-साथ आवश्यक व्यवस्थाओं का क्रियान्वयन करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए गए। पुलिस कंट्रोल रूम में सम्पन्न हुई इस बैठक में कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि त्यौहारों में बेहतर व्यवस्था हो इसके लिए चाक चौबंद प्रबंध पूर्व में ही सुनिश्चित किए जाएं। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर



कार्यों का क्रियान्वयन करें। उन्होंने शांति समिति के पदाधिकारियों से कहा कि आप सभी का समाज में प्रभुत्व है। सामाजिक जिम्मेवारी के निर्वहन में आप सबका भी सहयोग अतिआवश्यक है।

उन्होंने सकारात्मक सोच, सहयोग की भावना से व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन पर बल दिया है। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि निर्वाचन संबंधी आदर्श

आचरण संहिता प्रभावशील होने के फलस्वरूप शस्त्रों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध है वहीं डीजे पर भी प्रभावी नियंत्रण के लिए अभी से प्लानिंग तैयार की जाए जो नियम है उनका हम सब मिलकर पालन करें ताकि समाज को एक नया संदेश मिले। उन्होंने कहा कि हर आयोजनों में वालेंटियर्स का भी सहयोग लिया जाता है अतः आगामी पर्व के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, विभिन्न धार्मिक

जुलूसों के दौरान वालेंटियर्स सहित समिति के सम्मानीय सदस्यों का सहयोग अति आवश्यक होता है। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने कहा कि आगामी पर्वों के दौरान किए जाने वाले प्रबंधों के संबंध में नगरपालिका, बिजली विभाग, यातायात, स्वास्थ्य के माध्यम से क्रियान्वित किए जाने वाले कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मतदाता जागरूकता के संदेश खेलो के माध्यम से मतदान स्वयं करेंगे व दूसरों को अभिप्रेरित करेंगे की शपथ ली



विदिशा (निप्र)। स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में विविध कार्यक्रमों का आयोजन हर रोज किया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत बुधवार को जिला मुख्यालय पर स्थित कनारा क्रिकेट ग्राउण्ड पर क्रिकेट एवं रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था इन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने अपने जौहर दिखाए। क्रिकेट मैच पुलिस पैथर और नगरपालिका के मध्य हुआ जिसमें पुलिस पैथर ने जीत दर्ज की है। रस्साकसी प्रतियोगिता के लिए डू निचाला गया। तदोपरांत पहला मैच मीडिया वारियर्स और पुलिस पैथर के मध्य हुआ जिसमें पुलिस पैथर ने जीत हासिल की। दूसरा मैच कलेक्टर इंडियस वर्सेज होमगार्ड के मध्य हुआ। जिसमें कलेक्टर इंडियस ने जीत हासिल की है।

आज सम्पन्न हुई रस्साकसी प्रतियोगिता में कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भस्कर ने जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भस्कर का वाचन किया जिसे कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों व खिलाड़ियों ने दोहराया है।

शपथ

स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का समापन मतदाता जागरूकता शपथ से हुआ। स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भस्कर ने शपथ का वाचन किया जिसे कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों व खिलाड़ियों ने दोहराया है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को आएंगे नर्मदापुरम: पिपरिया में लेंगे सभा; तैयारियों में जुटा प्रशासन व भाजपा, आज पहुंचेगी एसपीजी

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को नर्मदापुरम जिले के पिपरिया आ सकते हैं। होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के समर्थन में पीएम मोदी चुनावी सभा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के संभावित दौर को लेकर दो दिनों से प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तर पर तैयारियां जारी हैं। पंचमढ़ी रौंद पर सेंट जोसफ स्कूल के सामने पड़े करीब 6 एकड़ के खाली क्षेत्र में सभास्थल बनाया जा रहा है। आज बुधवार को एस्पजी टीम आ सकती है। जिसे लेकर सुबह से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। एक दिन पहले मंगलवार को कलेक्टर सोनिया मीना, एस्पजी डॉ. गुरकरन सिंह ने भी दौरा किया। स्थानीय प्रशासनिक दल के साथ दोनों अधिकारियों ने खाली पड़े मैदान का निरीक्षण किया। आज बुधवार को हालांकि पीएम मोदी का अभी कोई फाइनल दौरा कार्यक्रम प्रशासनिक स्तर पर जारी नहीं हुआ है। अधिकारी सिर्फ सभा प्रस्तावित होने की बात कर रहे हैं।

इंदौर, शनिवार 13 अप्रैल, 2024

भूतपूर्व सैनिकों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

इंदौर। मिलिट्री स्टेशन कैट महू में भूतपूर्व सैनिकों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। ई.सी.एच.एस पॉलीक्लिनिक मिलिट्री अस्पताल महू में %एक्स-सर्विसमेंन कर्टीब्यूटरी हेल्थ स्कीम% के तहत शिविर ज्वाइंट रिफ्लेसमेंट व आर्थोपैडिक सर्जन लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अजय सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन का आयोजन किया गया। कैप में आसपास के दर्जनों गांवों के करीब 200 सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके आश्रितों ने इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डॉक्टरों से चिकित्सकीय सलाह ली। इंडेक्स समूह के चेयरमैन सुरेश सिंह भदौरिया, वाइस चेयरमैन मयंक राज सिंह भदौरिया, डीन डॉ. जी.एस. पटेल ने पूर्व सैनिकों के लिए आयोजित शिविर की सराहना की। इस अवसर पर स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर एल के भारद्वाज ने मंच से अपने जीवन के अनुभव को पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों से साझा किया।

महिलाओं से लूटी चैन

इंदौर। चैन लूट के आरोपितों से पुलिस ने एक चैन और बाइक बरामद की है। आरोपितों ने कर्जा उतारने के लिए महिलाओं को लूटना स्वीकारा है। पुलिस अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ कर रही है। अपराध शाखा के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडेलिया के मुताबिक, लसडिया थाना क्षेत्र में चैन लूटने के दो आरोपित दिलीप संतोष पांरे निवासी शांति नगर मूसाखेड़ी और रवि चंदन कुमार पाटनी निवासी देवदर्शन अपार्टमेंट टेलीफोन नगर को फकड़ा था। आरोपितों से एक बाइक और सोने की चैन बरामद हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि कर्जा उतारने के लिए चैन लूटी थी।

मिस्त्री ने जहर खाकर जान दी

इंदौर। पति-पत्नी में हुए विवाद के बाद मिस्त्री ने जहर खाकर जान दे दी। तिलक नगर पुलिस ने मांग कायम किया है। घटना चौहान नगर की है। 45 वर्षीय घनश्याम परमार ने जहर खाया है। बुधवार शाम घनश्याम का बेटा नितिन गंभीर अवस्था में अस्पताल लेकर गया लेकिन मौत हो गई। स्वजन ने बताया घनश्याम ने पूर्व में भी आत्महत्या का प्रयास किया है।

खंडवा-सनावद मेमू स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

इंदौर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खंडवा से सनावद के मध्य परिचालित की जा रही गाड़ी संख्या 01091/01092 खंडवा सनावद खंडवा मेमू स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित की जा रही है। गाड़ी संख्या 01091/01092 खंडवा सनावद खंडवा मेमू स्पेशल जिसका पूर्व में अंतिम फेरा 12 अप्रैल, 2024 निर्धारित थी, 16 जुलाई, 2024 तक चलेगी। ट्रेन के आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव, चलने के दिन इत्यादि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indian-rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

शहर में कितने सांची

पाइंट, संघ से मांगा जवाब

इंदौर। हर प्रमुख चौराहों और गली-मोहल्लों से लेकर फुटपाथों पर बीते कुछ सालों में बड़ी संख्या में सांची पाइंट बिना अनुमति के ही लग गए। इस पूरे मामले में सबसे खास बात यह है कि नगर निगम के पास भी इसका रिकॉर्ड नहीं है। निगम का कहना है कि वर्ष 2012 से नई अनुमतियां देना बंद कर दी गई थीं, लेकिन फिर शहर में बीते सालों में सांची पाइंट की बाढ़ आ गई। अब निगम ने सांची दुग्ध संघ को पत्र लिखकर शहर में वैध सांची पाइंटों की जानकारी मांगी है। सांची पाइंट के लिए सबसे पहले सांची दुग्ध संघ मांगलिया से अनुमति लेने के बाद यातायात पुलिस, प्रशासन, नगर निगम और कुछ अन्य विभागों से अनुरोधित प्रमाण पत्र लेकर आवेदन दिए जाते थे। इस मामले में यातायात पुलिस के साथ-साथ निगम और दुग्ध संघ के अधिकारी मौके का निरीक्षण करने के बाद ही वहां सांची पाइंट की अनुमति देते रहे हैं, लेकिन इस प्रक्रिया को बीते दस-पंद्रह सालों में दरकिनार कर शहर में थड़छे से सांची पाइंट लगाए जा रहे हैं। मध्य क्षेत्र से लेकर पलासिया, रीगल और अन्य व्यस्त क्षेत्रों में सांची पाइंट थड़छे से लगाए गए, लेकिन न तो निगम अफसरों को और न ही संबंधित अन्य विभागों को जांच के लिए समय मिला। पहले सांची पाइंट को लेकर कई मापदंड और नियम बनाए गए, जिसकी आज के दौर में धजियां उड़ई जा रही हैं। पहले दुग्ध संघ के प्रोडक्टर ही पार्लर और सांची पाइंट पर बचे जाते थे, लेकिन अब दुग्ध संघ के प्रोडक्टर तो दूर पूरी किनारे की दुकानें ही इसकी आड़ में खोल ली जाती हैं। दुग्ध संघ के अधिकारी भी इस मामले में कोई छानबीन नहीं करते और नगर निगम के अधिकारी भी रिकॉर्ड नहीं होने का बहाना कर पल्ला झाड़ लेते हैं। कई जगह सांची पाइंट की नियम-कायदा को दरकिनार धड़धड़ अनुमतियां दी गईं और कई जगह निगम और अन्य विभाग से शिफ्टिंग के नाम पर मनचाहे स्थानों पर सांची पाइंट लगा लिए गए। इनमें कई प्रमुख क्षेत्र विजयनगर, नारा मॉडर्न चौराहा, पलासिया, रीगल, भंवकुआं, टावर चौराहा से लेकर मध्य क्षेत्र के कई बाजार शामिल हैं, जहां सांची पाइंट नियम-कायदों के विरुद्ध चल रहे हैं।

हाजारों सांची पाइंट शहर में, निगम के पास रिकॉर्ड नहीं नगर निगम मार्केट विभाग के अफसरों के मुताबिक वर्षों पहले 250 के आसपास सांची पाइंट रिकॉर्ड था, लेकिन अब वह भी नहीं मिल रहा है, जबकि शहरभर में हजारों सांची पाइंट लगे हैं और इनमें से कई जगह किराने की दुकानें खुल गई हैं। इसी के चलते नगर निगम मार्केट विभाग ने मांगलिया दुग्ध संघ को पत्र जारी कर जानकारी मांगी है कि शहरभर में कितने सांची पाइंट स्वीकृत हैं और इनमें से कितने बंद हो चुके हैं अथवा अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। निगम अफसरों का कहना है कि चार से पांच दिन पहले जारी किए गए लेटर के जवाब का इंतजार है। उसके बाद ही अवैध सांची पाइंटों के मामले में अब आला अधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर कार्रवाई का अभियान शुरू किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष-याचिका पर सुनवाई, जबलपुर में प्रस्तुत हुई थी याचिकाएं

इंदौर। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से संबंधित चुनाव याचिकाओं की सुनवाई इंदौर खंडोपट में शुरूवात से शुरू हो रही है। ये याचिकाएं हाई कोर्ट की मुख्य पीठ के समक्ष प्रस्तुत हुई थीं। वहां से न्यायिक क्षेत्राधिकार के हिसाब से ये याचिकाएं अलग-अलग खंडोपट भेज दी गई हैं। इंदौर खंडोपट में तीन याचिकाओं पर सुनवाई से सुनवाई शुरू हो रही है। इनमें से पहली याचिका गंधवानी विधायक और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के खिलाफ है। यह याचिका सिंगार के खिलाफ विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सरदार सिंह मेढ़ा ने दायर की है। चुनाव में सिंगार ने मेढ़ा को 22 हजार 119 मतों से हराया था।

बिना अनुमति कृषि महाविद्यालय ने काटे 36 पेड़

चिनय वर्मा

इंदौर, सद्भावना पाती 13 अप्रैल 2024। कृषि कालेज ने परिसर की जमीन पर बाउंड्री वॉल का काम शुरू करवाया था जिसके लिए बिना अनुमति के हरे भरे 36 पेड़ों को बलि ले ली गई। इसकी शिकायत मिलने पर इंदौर नगर निगम का उद्यान विभाग हकत में आया और ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए महाविद्यालय के डीन को 3 लाख 60 हजार रुपए के जुर्माने का नोटिस भेजा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डीन ने जुर्माने की राशि भरने से इंकार कर दिया है।

कृषि कॉलेज प्रबंधन की जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाने के लिए 36 पेड़ों की अवैध कटाई की गई। इसके लिए निगम से अनुमति नहीं ली गई थी। पेड़ काटने की शिकायत समाजसेवी राजेंद्र सिंह ने सीएम हेल्पलाइन पर की थी जिसके बाद निगम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए जुर्माना भरने के लिए नोटिस जारी किया है। निगम ने जुर्माना राशि जमा करने के लिए कृषि कॉलेज डीन को नोटिस भेजा है। निगम ने वृक्षों का परीक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की। पता चला है कि कॉलेज की बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जा रहा है। बाउंड्री पर कई पेड़ लगे थे जिसमें से करीब 36 पेड़ काटे गए हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नोटिस पर कृषि कॉलेज के डीन ने जवाब प्रस्तुत किया है। उन्होंने लिखा है कि बाउंड्री निर्माण के लिए किसी भी तरह से पेड़ काटने

● निगम ने भेजा 3.60 लाख के जुर्माने का नोटिस ● 3 दिन का अल्टीमेटम, जुर्माना नहीं भरा तो तहसीलदार द्वारा वसूली जाएगी राशि



की अनुमति उन्होंने या उनके दफ्तर से जारी नहीं की गई। बाउंड्री निर्माण कार्य एक एजेंसी को सौंपा है। नगर निगम एजेंसी से वसूली कर जुर्माना राशि जमा कराए।

बिना अनुमति निगम सीमा में पेड़ काटना



है दंडनीय अपराध

नगर निगम सीमा अंतर्गत बिना अनुमति पेड़ काटना दंडनीय श्रेणी में है। किसी को ऐसा करना भी है तो ई नगर पालिका पोर्टल पर आवेदन करना होता है। किसी भी पेड़ को



गिराना, हटाना, उखाड़ना, तना तोड़ना या किसी भी तरह से पेड़ को नष्ट करना है तो शहरी क्षेत्र के क्षेत्राधिकार वाले अधिकारी को 100/- प्रति आवेदन प्रोसेसिंग शुल्क के साथ आवेदन करना होता है। अधिकारी 30

निगम के उद्यान अधिकारी जितेंद्र जमींदार का कहना है कि हमने कृषि कालेज के डीन को पेड़ काटने के आरोप में 3 लाख 60 हजार रुपए के जुर्माने का नोटिस दिया है। यदि डीन द्वारा जुर्माना नहीं भरा जाता है तो ऐसी स्थिति में तहसीलदार द्वारा कार्रवाई कर राजस्व विभाग से राशि वसूल करवाएंगे।

जितेंद्र जमींदार, उद्यान अधिकारी नगर निगम इस विषय पर जब कालेज के डीन के. एन. पाठक से बात की गई तो उनका कहना था कि इस विषय में कल ऑफिस में आकर बात करें।

के. एन. पाठक डीन कृषि कालेज इंदौर

दिनों में वृक्ष के निरीक्षण और आवश्यक समझी गई जांच के बाद कारणों को लिखित रूप में दर्ज करते हुए पूर्ण या आंशिक कटाई अनुमति का या फिर आवेदन निरस्त करने का आदेश दे तो आवेदक को शुल्क जमा करना सकता है। अनुमति दी भी जाती है इसके एवज में पौधा लगाना और उसकी देखरेख करना होती है।

कबीट खेड़ी में फेल हुआ बायो खाद का प्लांट

-20 करोड़ की लागत से 4 साल पहले बनाया था**-5 टन खाद भी नहीं बन पा रही प्लांट में**

इंदौर। चार साल पहले 20 करोड़ रुपये की लागत से कबीटखेड़ी में देश का दूसरा स्लज हाईजनेशन प्लांट इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा तैयार किया गया था। अहमदाबाद के भाभा एटॉमिक संस्थान द्वारा दिए गए नि:शुल्क कोबाल्ट सोर्स से 1500 केलीआह कोबाल्ट का उपयोग कर 100 टन प्रतिदिन स्लज का उपचार कर बायो खाद बनाने का दावा किया गया था। अब स्थिति यह है कि 125 केली कोबाल्ट का उपयोग कर स्मार्ट सिटी कंपनी प्रतिदिन पांच टन बायो खाद भी तैयार नहीं कर पा रही है। खाद तैयार नहीं कर पाने की कारण प्लांट में स्लज को सुखाने के लिए बेहतर सिस्टम नहीं होना है। इससे गर्मी के तीन माह में ही प्लांट में स्लज से खाद पांच टन प्रतिदिन क्षमता के अनुसार तैयार होता है। शेष नौ माह क्षमता कम रहती है और वर्षाकाल में तो उत्पादन बंद ही रहता है। कबीटखेड़ी के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाले स्लज में 80 से 85 प्रतिशत नमी रहती है, जबकि खाद के निर्माण के लिए उपचारित स्लज में 20 प्रतिशत ही नमी होना चाहिए। ऐसे में स्लज को प्लांट में अभी ड्रॉइंग बेड पर रखकर सुखाया जाता है। यह प्रक्रिया धीमी होती है और इसमें ज्यादा समय लगता है। स्लज को सुखाने के लिए स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा स्लज हाईजनेशन प्लांट में पाली हाउस के माध्यम से ग्रीन हाउस प्रभाव तैयार करने वाला एयर मैनजमेंट सिस्टम लगाने की योजना है। इसमें पाली हाउस बनाकर उसके नीचे स्लज जमा किया जाएगा और उसे बार-बार पलटा जाएगा। एयर सर्कुलेशन व ग्रीन हाउस प्रभाव से स्लज को सुखाया जाएगा। इस सिस्टम को तैयार करने के लिए स्मार्ट सिटी कंपनी को पांच करोड़ रुपये की जरूरत है। इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी को एयर मैनजमेंट सिस्टम बनाने के लिए सिटी इवेस्टमेंट ट इन्वेस्ट इंटिग्रेटेड एंड सर्विसेस (सिटीज 2) योजना से लोन के रूप में राशि मिलने की उम्मीद थी। केंद्र सरकार द्वारा इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी को आत्मनिर्भर मानकर उसे इस योजना से बाहर कर दिया गया। स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा इस बायो खाद को उर्वरक विक्रेता कंपनियों के माध्यम से किसानों को देने की भी योजना थी। फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया में इसके लिए स्मार्ट सिटी ने आवेदन भी किया, लेकिन अनुमति नहीं मिली। ऐसे में इस खाद का उपयोग निगम सिर्फ अपने उद्यानों में कर पा रहा है।

कोरोना काल में पिता खोने वाले बच्चों से मांगी 36 हजार की रिश्त

सद्भावना पाती संवाददाता**खंडवा के अमन की शिकायत और इंदौर लोकायुक्त को कार्रवाई- आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कियाइ**

राशि दोनों बच्चों की शिक्षा हेतु प्रथक प्रथक स्वीकृत की गई थी। इस योजना के तहत कोरोना महामारी में अथवा अन्य कारण से मां-पिता को खो चुके 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सरकार की ओर से हर महीने एक निश्चित राशि दी जाती है। 7 माह के हिसाब से 56000 रुपये कार्यालय द्वारा आवेदक के खाते में अंतरित किये गए जिसमें से 36000 रुपए की मांग कार्यालय में सामाजिक कार्यकर्ता के पद पर पदस्थ मनोज दिवाकर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर संजय जगताप ने की और यह भी कहा की यदि उक्त राशि दे



तो ही उनको भविष्य में भी ये राशि मिलती रहेगी तथा पेमेंट नहीं देने पर योजना का लाभ आगे नहीं दिए जाने की बात कही, जिसकी शिकायत आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक ,लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में की गई। जांच में यह सिद्ध हो गया की आरोपियों द्वारा 36000 रुपये लेने की मांग की गई। आवेदन पत्र के स्थापन एवं आरोपियों से हुई बातचीत के आधार पर आरोपी मनोज दिवाकर एवं संजय जगताप के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचन में लिया और दोनों को 36 हजार रुपए लेते द्रैप किया गया है।

पेड न्यूज की निगरानी करेगी मॉनिटरिंग टीम, 24 घंटे कक्ष में मौजूद रहेंगे विशेषज्ञ

इंदौर। लोकसभा चुनाव में पेड न्यूज की निगरानी के लिए मीडिया मॉनिटरिंग कक्ष में विशेषज्ञों की टीम 24 घंटे मौजूद रहकर विज्ञापन और समाचारों की निगरानी करेगी। यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, इंजीनियर और अन्य अधिकारी-कर्मचारी, विशेषज्ञों को मिलाकर 70 से अधिक लोगों को निगरानी के लिए नियुक्त किया गया है। सभी को पेड न्यूज और सूचना को लेकर प्रशिक्षण दिया गया है। जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में प्रसारित होने वाले विज्ञापन और समाचारों की निगरानी के लिए 70 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी-कर्मचारियों को तैनात किया गया है। निगरानी के लिए मीडिया मॉनिटरिंग एवं मीडिया सर्टिफिकेशन (एमसीएमसी) प्रकोष्ठ का गठन किया है। इस प्रकोष्ठ में सोशल मीडिया में प्रसारित होने वाले विज्ञापन और समाचारों की निगरानी के लिए 70 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को तैनात किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने नियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों को कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य पूर्ण गंभीरता के साथ किया जाए। इसमें

किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. आरके पांडे ने नियमों की बारीकी से जानकारी दी। गौरतलब है कि लोकसभा निर्वाचन के दौरान पेड न्यूज संबंधी मामलों, प्रिंट मीडिया में प्रकाशित एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल में प्रसारित खबरों की 24 घंटे सतत मॉनिटरिंग, रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा न्यूज मॉनिटरिंग, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, मीडिया सर्टिफिकेशन एवं पेड न्यूज के मामलों सहित अन्य सभी कार्यों के लिए अलग-अलग दल गठित किए गए हैं। सभी गठित दलों के प्रभारी भी नियुक्त किए हैं। इस प्रकोष्ठ में जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित विषय विशेषज्ञों की टीम लगाई गई है। प्रकोष्ठ की टीमों द्वारा तीन पारियों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया की खबरों की सतत निगरानी की जाएगी। यह कार्य प्रतिदिन तीन पारियों में सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 से रात 10 बजे तक और रात 10 से अगले दिन सुबह 6 बजे तक निरंतर किया जाएगा। समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित

समाचारों एवं मीडिया रिपोर्ट्स की निगरानी एवं कतरनों के संधारण कार्य के लिए भी अलग टीम सुबह 6 से शाम 6 बजे तक कार्य करेगी।

अलग-अलग दल गठित जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा न्यूज मॉनिटरिंग, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, मीडिया सर्टिफिकेशन एवं पेड न्यूज के मामलों सहित अन्य सभी कार्यों के लिए अलग-अलग दल गठित किए गए हैं। सभी गठित दलों के प्रभारी भी नियुक्त किए हैं। इस प्रकोष्ठ में जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित विषय विशेषज्ञों की टीम लगाई गई है। प्रकोष्ठ की टीमों द्वारा तीन पारियों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया की खबरों की सतत निगरानी की जाएगी। यह कार्य प्रतिदिन तीन पारियों में सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 से रात 10 बजे तक और रात 10 से अगले दिन सुबह 6 बजे तक निरंतर किया जाएगा। समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों एवं मीडिया रिपोर्ट्स की निगरानी एवं कतरनों के संधारण कार्य के लिए भी अलग टीम सुबह 6 से शाम 6 बजे तक कार्य करेगी।

संपादकीय

संदेशखाली: मामले को निष्पक्षता से निपटाने की जरूरत

अगर अदालत किसी आपराधिक मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंप दे तो उससे यही संदेश जाता है कि उस मामले को सुलझाने में राज्य सरकार नाकाम रही या उस पर भरोसा नहीं रह गया है। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के उन्नीडन और जमीन कब्जा करने के मामले में वहां के उच्च न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने का आदेश दिया है।

इससे राज्य सरकार पर कमजोर हुए भरोसे का संदेश जाता है। हालांकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस इस मामले को भाजपा की रची साजिश बता रही है। इस वर्ष जनवरी से ही संदेशखाली विवादों में घिरा हुआ है। राशन घोटाला मामले में जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय का दल तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख के घर पहुंचा तो उस पर पथराव किया गया, जिसमें कई कर्मचारी घायल हो गए।

उसके बाद वहां की महिलाओं ने आरोप लगाया कि शाहजहां शेख के लोग महिलाओं को घर से उठा कर ले जाते और उनका यौन शोषण करते हैं। उन्होंने कई भूखंडों पर जबरन कब्जा कर लिया है। इसे लेकर महिलाएं पिछले करीब दो महीने से आंदोलन कर रही हैं। हालांकि राज्य सरकार ने मामले की जांच कराई, पर उसमें कोई भी आरोप साबित नहीं हो पाया। उसके बाद वहां भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच सियासी आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं।

कोलकाता उच्च न्यायालय ने इस मामले का स्वतंत्र संज्ञान लिया था। पहले उसने राज्य सरकार से स्थिति रिपोर्ट मांगी, पर उसमें तमाम आरोपों का सिर से खंडन ही किया गया था। राज्य महिला आयोग और पुलिस की महिला शाखा की रिपोर्टें राज्य सरकार की दलीलों को सही ठहरा रही हैं,



मार राष्ट्रीय महिला आयोग इसके उलट तस्वीर की जांच सीबीआइ से कराना उचित समझा है। पेश कर रहा है। स्वाभाविक ही, अदालत ने मामले को लेकर राजनीतिक

रस्साकशी कुछ अधिक बढ़ गई है। इसे लेकर भाजपा जहां ममता सरकार पर निशाना साध रही है, वहीं ममता बनर्जी का कहना है कि संदेशखाली आरोपएसएस का गढ़ बन चुका है और वही ऐसे बेबुनियाद विवाद पैदा कर रहा है। जाहिर है, इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच हकीकत सामने नहीं आ पा रही। शाहजहां शेख पर गंभीर आरोप हैं और उसे केवल एकतरफा दलीलों के आधार पर बेगुनाह करार नहीं दिया जा सकता। पश्चिम बंगाल पर सदा से राजनीतिक चर्चस्व के लिए खूनी संघर्ष और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाता रहा है।

पहले वाम मोर्चा के कार्यकर्ताओं पर आरोप लगते थे कि वे सरकारी संरक्षण में जमीनों पर कब्जा करते, ठेके उठाते, अनियमितताएं करते और विरोधी दलों के कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा करते हैं। उन्हीं पृष्ठियों के प्रतिकार में लोगों

ने तृणमूल कांग्रेस के हाथ में सत्ता सौंपी थी। मगर अब यह छिपी बात नहीं है कि तृणमूल के कार्यकर्ता और नेता भी उसी राह पर चल पड़े हैं, जिस पर पहले वाम मोर्चा के कार्यकर्ता चला करते थे।

ऐसी अनेक घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें तृणमूल कार्यकर्ताओं और नेताओं पर दबंगई के आरोप हैं। हालांकि भाजपा जिस तरीके से अपना राजनीतिक प्रभाव जमाना चाहती है, वह भी आरोपों से मुक्त नहीं है। मगर चूंकि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर है, इसलिए उससे परदर्शिता और निष्पक्षता की उम्मीद अधिक की जाती है। संदेशखाली को लेकर छिड़े विवादों को अगर राज्य सरकार ने निष्पक्ष होकर निपटा लिया होता, तो अदालत को सीबीआइ जांच का आदेश देना ही न पड़ता।

इंदौर में चलेगा नशा मुक्ति का विशेष अभियान, युवाओं पर रहेगा विशेष फोकस

इंदौर। इंदौर जिले में नागरिकों विशेषकर युवाओं को नशे की लत से छुटकारा दिलाने के लिए नशा मुक्ति का विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जन जागृति पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नशे से मुक्ति दिलाने के लिए अन्य विशेष प्रयास भी अभियान के तहत किए जाएंगे। यह अभियान जिला प्रशासन, पुलिस और स्वयंसेवी संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा। यह जानकारी कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में दी गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक

श्रीमती सुचिता बेक तिकी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और नशा मुक्ति से जुड़ी हुई स्वयंसेवी संस्थाओं/संगठनों के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर सिंह ने कहा कि संयुक्त प्रयासों से नशा मुक्ति के इस अभियान को परिणाम मूलक बनाया जाएगा। नशा मुक्ति की यह लड़ाई लंबी जरूर है परंतु इसमें सफलता जरूर प्राप्त की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत स्कूल एवं कॉलेज में जागरूकता की गतिविधियां लगातार आयोजित की जाएगी। विद्यार्थियों को जागरूक बनाने के लिए एक स्थाई जागरूकता केंद्र भी बनाया जाएगा। अभियान में जागरूकता के अलावा

मॉनिटरिंग, इंफ्लोमेंट एवं एनफोर्समेंट पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने कहा कि ड्रग बेचने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सूचना लॉ को मजबूत बनाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से हमारा प्रयास होगा कि ड्रग की डिमांड को कम किया जाए। ड्रग के उपयोग को हतोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। अभियान में नशे के आदी लोगों की पहचान कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास होंगे। बैठक में नशा मुक्ति के संबंध में कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। बैठक में

जानकारी दी गई कि इंदौर में नशा मुक्ति के लिए 11 संस्थाओं का संचालन स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है। बैठक में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा नशा मुक्ति के लिए तैयार की गई विभागीय कार्य योजना के संबंध में बताया गया। जानकारी दी गई कि नशा मुक्ति परामर्श केंद्र का प्रभाव रूप से संचालन किया जाएगा। बाल नशा मुक्ति केंद्र का संचालन भी होगा। स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर नशा मुक्ति कमेटी का गठन किया जाएगा। शिक्षकों को जन जागरूकता के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। बैठक में स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी लिए गए।

इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिये 18 अप्रैल को जारी होगी अधिसूचना

इंदौर। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिये 18 अप्रैल को अधिसूचना जारी की जायेगी। अधिसूचना जारी होने के साथ ही नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला भी प्रारंभ हो जायेगा। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया आयोजित बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को समझाई गई। उन्हें नाम निर्देशन पत्र जमा करने के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के नियम और निर्देशों की जानकारी भी विस्तार से दी गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा अपर कलेक्टर राजेंद्र रघुवंशी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मुख्य प्रशिक्षक डॉ. आर.के. पाण्डे ने नामांकन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। नामांकन दाखिल करने के लिये निर्धारित पत्र पर शपथ पत्र सहित नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बारे में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा गया कि नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को समझाई गई नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया और बताये गये नियम-निर्देश, बैठक सम्पन्न

को भलीभाँति समझ लें और इसकी जानकारी प्रत्याशियों को भी दें, ताकि नाम निर्देशन पत्र भरने में कोई त्रुटि न हो। बैठक में जानकारी दी गई कि 18 अप्रैल को निर्वाचन की अधिसूचना जारी होगी। इसके साथ ही नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला शुरू होगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 25 अप्रैल तक नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जाँच) 26 अप्रैल को होगी और 29 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इन सभी दिवसों में प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक उक्त कार्यवाही संपादित होगी। नाम निर्देशन पत्र कलेक्टर कार्यालय में बनाए गए रिटर्निंग प्रस्तावक मौजूद रह सकेंगे। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा गया कि नामांकन दाखिल करते समय आने वाले काफिले व रेली इत्यादि की अनुमति समय से लें।

अलग से खाता खुलवाना अनिवार्य

जीर्णशीर्ण हो चुके शहर के अनेक शासकीय भवनों/परिसरों को किया जायेगा पुनर्घनत्वीकरण योजना में शामिल - कलेक्टर सिंह ने ली बैठक

इंदौर। इंदौर शहर में जीर्णशीर्ण हो चुके पुराने अनेक शासकीय भवनों/परिसरों को पुनर्घनत्वीकरण योजना में शामिल किया जायेगा। इन भवनों की रिक्त भूमि का व्यवसायिक उपांतरण करते हुए अनेक शासकीय कार्यालयों के नवीन भवन बनाने के साथ ही होटल, ऑडिटोरियम और स्टेडियम के साथ ही अनेक कार्य भी प्रस्तावित किये गये हैं। इसके लिये विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये। इस संबंध में कलेक्टर आशीष सिंह ने संबंधित विभागों के

13 अप्रैल को स्टेडियम में शिफ्ट होगी ईवीएम, स्ट्रांग रूम बनकर तैयार

इंदौर। 13 अप्रैल को ईवीएम की शिफ्टिंग के लिए नेहरू स्टेडियम में स्ट्रांग रूम बनकर तैयार हो चुके हैं। 40 से ज्यादा सीसीटीवी स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए लगाए गए हैं। नेहरू स्टेडियम के मुख्य द्वार पर बड़ी स्क्रीन के माध्यम से हर स्ट्रांग रूम पर नजर रखी जाएगी। मतदान की तारीख पास आते ही सामग्री वितरण से लेकर कार्टिंग के लिए भी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

इंदौर जिला प्रशासन व नगर निगम नेहरू स्टेडियम को चुनाव के लिए तैयारी की है। नगर निगम की निगरानी में स्ट्रांग रूम की सुरक्षा से लेकर अन्य व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। दीवारों पर

अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर सिंह ने पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत अनेक शासकीय भवनों को शामिल करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। बताया गया कि इस योजना में होल्कर साइंस कॉलेज की 1.20 हेक्टेयर रिक्त भूमि, ओल्ड पलायिया स्थित संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग का सभागीय कार्यालय तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की 8 हजार 565 वर्ग मीटर भूमि को शामिल करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं।

रंगरोगन के साथ विद्युत व्यवस्था सूचक चिह्न विधानसभाभारव लगाए गए हैं। सभी स्ट्रांग रूम के बाहर कैमरे लगा दिए गए हैं। इन कैमरों की संख्या सामग्री वितरण और कार्टिंग के दौरान बढ़ाई जा सकती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 कैमरों से सिर्फ स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की गई थी। उसी तर्ज पर जिला प्रशासन ने मशीनों की शिफ्टिंग से पहले स्ट्रांग रूम को सुरक्षित कर लिया है।

13 तारीख को मशीनों की शिफ्टिंग की प्रक्रिया के लिए जिला प्रशासन ने 9 कंटेनर की व्यवस्था की है। अब विभिन्न खेल गतिविधियों पर अगले तीन महीने के लिए विराम लग

निरस्त एवं मार्ग परिवर्तित ट्रेने नियमित रूप से चलेगी

इंदौर। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर मंडल के कटनी से बीना के मध्य जारी तीसरी लाइन के कार्य हेतु प्रस्तावित ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों को निरस्त एवं परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया था। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निरस्त एवं मार्ग परिवर्तित ट्रेनों को रिस्टोर कर लिया गया है तथा ये ट्रेने अपने प्रोपर पाथ पर चलेगी। 14 अप्रैल, 2024 को रीवा से चलने वाली गाड़ी संख्या 11702 रीवा-डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस एवं 16 अप्रैल, 2024 को डॉ. अम्बेडकर नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 11704 डॉ. अम्बेडकर नगर रीवा एक्सप्रेस निरस्त थी एवं 15 अप्रैल, 2024 को जबलपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 11466 जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस एवं सोमनाथ से चलने वाली गाड़ी संख्या 11465 सोमनाथ जबलपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलनी थी। उक्त चारो ट्रेने नियमित रूप से निर्धारित मार्ग पर चलेगी।

जाएगा। गर्मी के दौरान ही समर कैप व बच्चों के लिए विभिन्न तरह की ट्रेनिंग के शिविर आयोजित किए जाते हैं, लेकिन इस बार चुनाव होने के कारण उनके कैम्प नहीं होंगे। 13 मई को मतदान के बाद मशीनों को इन्हें स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा। 4 जून को मतदान के बाद ही जीते प्रत्याशी की घोषणा होगी और उसके बाद ही खिलौडियों को नेहरू स्टेडियम खेल गतिविधियों के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। साफ-सफाई और पुन-इस हालत में लौटाने के लिए नगर निगम को 15 दिन का समय लग सकता है। चुनाव प्रक्रिया संपन्न करने के लिए नेहरू स्टेडियम के पूरे प्रांड को बड़े डोम के माध्यम से कवर किया जाना है। नगर निगम ने स्ट्रांग रूम तैयार करने के बाद डोम बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। एक विशालकाय डोम बनाने के लिए ठेकेदार द्वारा सामान नेहरू स्टेडियम में लाकर रखा दिया गया है। नौ विधानसभा के 2486 मतदान दलों की बैठक व्यवस्था के साथ-साथ सामग्री वितरण के दौरान सामग्री लाने ले जाने के लिए कार्टिडोर की व्यवस्था भी इसी डोम के अंदर रहेगी। जिसके अनुसार नपती लेकर टेंट लगाया जाएगा। ज्ञात हो की चुनाव की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखने के लिए पूरे परिसर को 100 कैमरा से लैस किया जा रहा है जिसमें से 60 कैमरे बाहरी गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

रतलाम मंडल से 02 जोड़ी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनों का परिचालन स्पेशल किराए के साथ

इंदौर। ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए रतलाम मंडल के इंदौर एवं डॉ. अम्बेडकर नगर से दो जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराया के साथ किया जाएगा।

गाड़ी संख्या 09309/09310 इंदौर-नई दिल्ली इंदौर सुपरफास्ट द्विसालाहिक स्पेशल - गाड़ी संख्या 09309 इंदौर-नई दिल्ली स्पेशल 19 अप्रैल, 2024 से 30 जून, 2024 तक इंदौर से प्रति शुक्रवार एवं रविवार को 17.00 बजे चलकर रतलाम मंडल के देवास (17.33/17.35, देवास), उज्जैन (18.20/18.25) एवं नागदा (19.20/19.45) होते हुए शनिवार एवं सोमवार को प्रातः 04.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेंगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09310 नई दिल्ली इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल 20 अप्रैल, 2024 से 01 जुलाई, 2024 तक नई दिल्ली से प्रति शनिवार एवं सोमवार को प्रातः 07.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के नागदा (17.30/17.55), उज्जैन (18.35/18.40) एवं देवास (19.23/19.25) होते हुए प्रति शनिवार एवं सोमवार को 20.15 बजे इंदौर पहुंचेंगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में देवास, नागदा, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा, सर्वाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर एवं मथुरा स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। इस ट्रेन में एक सेकंड एसी, तीन थर्ड एसी, बाहरी स्लीपर एवं चार सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। गाड़ी संख्या 09343/09344 डॉ. अम्बेडकर नगर पटना

डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल- गाड़ी संख्या 09343 डॉ. अम्बेडकर नगर पटना स्पेशल 18 अप्रैल, 2024 से 27 जून, 2024 तक अम्बेडकर नगर से प्रति गुरुवार को 18.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के इंदौर (19.05/19.15), फतेहाबाद चंद्रवतीगंज (20.08/20.10), उज्जैन एवं मकसी (21.25/21.27) होते हुए शुक्रवार को 18.30 बजे पटना पहुंचेंगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09344 पटना डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल 19 अप्रैल, 2024 से 28 जून, 2024 तक पटना से प्रति शुक्रवार को 21.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के मकसी (21.00/21.02, शनिवार), उज्जैन (20.45/20.55), फतेहाबाद चंद्रवतीगंज (22.10/22.12), एवं इंदौर (23.10/23.15) होते हुए प्रति शनिवार को 23.55 बजे डॉ. अम्बेडकर नगर पहुंचेंगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में इंदौर, फतेहाबाद चंद्रवतीगंज, उज्जैन, मकसी, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

इस ट्रेन में दो सेकंड एसी, छ-थर्ड एसी, दो थर्ड एसी इकोनॉमी, छ-स्लीपर एवं तीन सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी एवं ग्रीवा कैंसर की पेप स्मीयर जांच का शिविर प्रारंभ

इंदौर। इंदौर के राबर्ट नर्सिंग होम में 23वां निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर आज से प्रारंभ हुआ। यह शिविर 14 अप्रैल तक चलेगा। शिविर का शुभारंभ संभागायुक्त दीपक सिंह सिंह ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी श्री गिरीश मतलानी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विजयसेन यशलहा, शहर काजी डॉ. इरात अली, सहायता संस्था के अध्यक्ष डॉ. अनिल भण्डारी और अन्य समाज सेवी तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। बताया गया कि यह शिविर सहायता संस्था के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में विशेष रूप से गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के ही ऑपरेशन किये जायेंगे। जन्मजात शारीरिक विकारों (कटे होंट, तालू) एवं किसी दुर्घटना के बाद छूटे निशानों एवं जलने के कारण आर्यो विकृतिके ऑपरेशन होंगे। ऑपरेशन किये जाने के लिये मरीजों का आज चिन्हकन किया गया। इस शिविर में वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. प्रकाश छजलानी भी अपनी निःशुल्क सेवाएं देंगे। राबर्ट नर्सिंग होम के सेक्रेटरी एवं ट्रस्टी डॉ. वी. एन. यशलहा ने बताया कि इस शिविर हेतु अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर एवं मरीजों हेतु रहने की व्यवस्था निःशुल्क की गई है। इस शिविर में सिर्फ कटे होंट, तालू एवं कुछ ऑपरेशन योग्य जले हुए मरीजों के आपरेशन किये जायेंगे। ऑपरेशन हेतु मरीजों का चयन डॉ. प्रकाश छजलानी द्वारा स्वयं किया गया। डॉ. यशलहा ने बताया कि इस शिविर में महिलाओं को स्तन कैंसर की स्वयं कैसे पहचान करें उसके तरीके बताये गये। साथ ही गर्भ ग्रीवा कैंसर की जाँच ड्यूह ब्लड स्मीयर द्वारा की गई।

आपकी शिकायत/समस्याओं में आपका साथी

दैनिक सद्भावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम खाट्सएप पर भेज सकते हैं।

सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हैल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।

हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।

केवल खाट्स एप करें, कॉल न करें।

9685611304

ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com

नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भारत से चीन को 90 प्रमुख उत्पादों का निर्यात बढ़ा, वाणिज्य मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े



नई दिल्ली, एजेंसी। चीन को निर्यात की जाने वाली कुल 161 वस्तुओं में से करीब 90 प्रमुख उत्पादों का निर्यात पिछले साल बढ़ा है। इनमें दूरसंचार उपकरण, लौह अयस्क और इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जें आदि शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत से चीन को निर्यात होने वाली कुल वस्तुओं में से इन 90 उत्पादों की हिस्सेदारी 67.7 फीसदी है। हालांकि, शेष 32.3 फीसदी हिस्सेदारी वाली बाकी 71 वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई है। भारत का चीन को दूरसंचार उपकरणों का निर्यात 2023 में 46.45 फीसदी बढ़कर 24.75 करोड़ डॉलर पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का निर्यात 6.75 फीसदी बढ़कर 15.65 करोड़ डॉलर पहुंच गया। भारत का चीन को निर्यात चार कमीडिटी स्तरों में पिछले साल 10 करोड़ डॉलर से अधिक बढ़ा है। ये कमीडिटी हैं... लौह अयस्क (216.8 फीसदी बढ़कर 3.33 अरब डॉलर), सूती धागा (542.6 फीसदी बढ़कर 61.11 करोड़ डॉलर), मसाले (19.4 फीसदी बढ़कर 13.22 करोड़ डॉलर) व प्रसंस्कृत खनिज (174.19 फीसदी बढ़कर 12.9 करोड़ डॉलर)।

मोदी सरकार नीलाम कर रही 30,000 करोड़ रुपये के सरकारी बांड

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार आज 30,000 करोड़ रुपये के सरकारी बांड नीलाम कर रही है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को तीन अलग-अलग श्रेणियों में 30,000 करोड़ रुपये के सरकारी बांड की बिक्री की घोषणा की। इसे 12 अप्रैल यानी आज आरबीआई के मुंबई कार्यालय द्वारा नीलामी के लिए रखा गया है।

पहला: बांड में प्राइस बेस्ट ऑक्शन प्राइस मेथड के माध्यम से 11,000 करोड़ रुपये की नोटिफाइड राशि के लिए 7.32 प्रतिशत गवर्नमेंट सिक्कुरिटी 2030 शामिल है।

दूसरा: मल्टीपल प्राइस मेथड का उपयोग करके ग्रीड बेस्ट नीलामी के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये की न्यू गवर्नमेंट सिक्कुरिटी 2039

तीसरा: मल्टीपल प्राइस मेथड का उपयोग करके प्राइस बेस्ट ऑक्शन के माध्यम से 9,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए 7.30 प्रतिशत गवर्नमेंट सिक्कुरिटी 2053 सरकार के पास इनमें से हर सिक्कुरिटी के बदले 2,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सब्सक्रिप्शन बरकरार रखने का विकल्प होगा।

सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी में नॉन कंपटेटिव बिल्डिंग सुविधा की योजना के अनुसार प्रतिभूतियों की बिक्री की नोटिफाइड राशि का 5 प्रतिशत तक पात्र व्यक्तियों और संस्थानों को आवंटित किया जाएगा। नीलामी के लिए कंपटेटिव और नॉन-कंपटेटिव दोनों बोलियां 12 अप्रैल, 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक को बैंकिंग सॉल्यूशन (ई-कुबेर) सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में प्रस्तुत की जानी चाहिए। गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे और प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे के बीच प्रस्तुत की जानी चाहिए। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ऑक्शन का रिजल्ट आज ही घोषित कर दिया जाएगा और सफल बोलीदाताओं द्वारा भुगतान 15 अप्रैल को किया जाएगा। प्रतिभूतियां केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में जमा जारी लेनदेन पर दिशानिर्देशों के अनुसार आरबीआई ने कब इश्यू किया, व्यापार के लिए पात्र होंगी।

5 वर्षों से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में सीटें नहीं बढ़ाई, अगले वर्ष करेंगे विचार

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में लगातार पांचवें साल भी पाठ्यक्रम की सीटें नहीं बढ़ाई जाएंगी। यह फैसला विभाग अध्यक्षों से राय लेने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया है। ऐसा करने के पीछे असल वजह यह है कि विभागों में अभी प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक और लेक्चरर सहित अन्य शिक्षकों के पद रिक्त हैं। इतना ही नहीं, अब विभागों के भवन भी छोटे पड़ने लगे हैं। अधिकांश विभागों में क्लास रूम की कमी है। इसके चलते वहां सुबह और दोपहर की शिफ्ट में विद्यार्थियों की कक्षाएं लगानी पड़ती है। विश्वविद्यालय के 28 शैक्षणिक अध्ययनशाला में 130 इंटीग्रेटेड, यूजी और पीजी पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। प्रथम वर्ष में छात्र-छात्राओं को आठ हजार सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। पिछली बार 2018-19 सत्र में विश्वविद्यालय ने सीटों में वृद्धि की थी। वैसे बीच-बीच में नए कोर्स शुरू

किए हैं, लेकिन पहले से संचालित पाठ्यक्रम में सीट वृद्धि नहीं हुई है। आइएमएस, आइआइपीएस, ईएमआरसी में कक्षाएं लगाने को लेकर जगह कम पड़ने लगी है। विद्यार्थियों की क्षमता को देखते हुए दो शिफ्ट में कक्षाएं लगाई जा रही हैं। वहीं फिजिक्स, सांख्यिकी, भाषा तुलनात्मक अध्ययन शाला, दीनदयाल उपाध्याय केंद्र, सोशल साइंस सहित अन्य विभागों का खुद का भवन नहीं है। वैसे ही दो-दो विभाग की एक बिल्डिंग है, जिसमें लॉडज साइंस, एनर्जी समेत तीन अन्य विभाग शामिल है। इसके चलते ही विभागों ने सीटें बढ़ाने में रुचि नहीं दिखाई है। वैसे कुछ विभागों की बिल्डिंग का प्रस्ताव मंजूर हो चुका है। मगर काम दो साल से अटका हुआ है। हालांकि कुछ विभागों ने पुराने भवन पर अतिरिक्त मंजिल बनाने का प्रस्ताव दे रखा है। विभाग का विस्तार सिर्फ क्लासरूम के लिए करना

है। शिक्षक-विद्यार्थी के अनुपात में भी काफी अंतर है। 2009 से 2022 तक विश्वविद्यालय में कोई नियुक्ति नहीं हुई है। लगभग 210 प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, लेक्चरर सहित अन्य पद रिक्त है। अधिकांश विभागों में कक्षाएं विजिटिंग फैकेल्टी के भरोसे लगाई जा रही है। 13 साल बाद 2022 में 92 बैकलाग व नियमित पदों पर भर्ती प्रक्रिया की गई, लेकिन दो साल में 38 पद भर पाए हैं। जितने पदों के लिए विज्ञापन निकाला गया था, उतने पद भी नहीं भर पाए हैं, बल्कि नियुक्ति प्रक्रिया पर विवाद खड़ा हो चुका है। इन दिनों 170 से अधिक पद खाली हैं। शिक्षकों की कमी के चलते विभागों ने सीट वृद्धि में रुचि नहीं दिखाई है। विभागों में क्लास रूम की संख्या कम है। विद्यार्थियों को बैठने में परेशानी आती है।

आरटीई: गरीबों की मुफ्त शिक्षा अटकी, स्कूल संचालक पहुंचे हाईकोर्ट

इंदौर। निजी स्कूलों में निशुल्क शिक्षा अधिनियम अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रारंभिक कक्षाओं में जरूरतमंद अभिभावकों के बच्चों का प्रवेश कराया जाता है, लेकिन प्रभावशील निजी स्कूल संचालक हमेशा ही अपने यहां आरटीई के तहत बच्चों के प्रवेश नियमों में उलटफेर कर बचने के प्रयास जरूर करते हैं। अब निजी स्कूल संचालक नए मापदंडों को लेकर हाईकोर्ट की शरण में पहुंच गए हैं, जिसके चलते दूसरे दौर की लॉटरी अटक गई है। राज्य शिक्षा केंद्र ने निजी स्कूलों में केजी 1 व 2, नर्सरी और पहली इन चार कक्षाओं के लिए आरटीई के तहत स्कूल की मौजूदा सीट संख्या से 25 फीसदी आरक्षित कर प्रवेश देने के निर्देश दिए थे। पहले दौर में भी प्रदेश में कई रसूखदार स्कूलों ने प्रवेश देने में आना-कानी की थी। इंदौर में दर्जनभर स्कूलों पर सख्ती से कार्रवाई के बाद

प्रवेश दिया गया था। दो स्कूलों में तो स्कूल सील करने तक प्रशासन की टीम पहुंच गई थी। अब 10 अप्रैल को आरटीई के तहत दूसरे दौर की लॉटरी राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से निकलना थी, लेकिन इसी बीच निजी स्कूल संचालकों ने इंदौर और जबलपुर दोनों जगह हाईकोर्ट में राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश में खामियां बताते हुए निजी स्कूलों में आरटीई के तहत निर्धारित छात्र संख्या पर आपत्तियां जता दी हैं और उन्होंने प्रवेश देने में स्वयं को असमर्थ बताते हुए इसमें रियायत की मांग की है, जिसके चलते सेकंड राउंड की लॉटरी फिलहाल अटक गई है। शिक्षा विभाग के अधिकारी कानूनी सलाह-मशविरा कर न्यायालय में लिखित प्रवेश देने की तैयारी कर रहे हैं। आगामी दो से तीन दिनों में मामले में स्थिति साफ होने की संभावना रहेगी, लेकिन तब तक दूसरे दौर की लॉटरी नहीं हो पाएगी।

11 of 18 IISc subjects see drop in QS University Rankings

In the latest edition of the Quacquarelli Symonds (QS) World University Rankings by Subject released on Wednesday, several programmes offered by the Indian Institute of Sciences (IISc) saw a significant drop from last year. The chemistry programme at India's most prominent Institute of Eminence (IoE) fell 31 places, from 77th to 108th. The institute's physics and astronomy programme was ranked 134 this year, down from 110 the previous year. In a similar vein, the institute's mathematics rankings dropped by 18 spots, ending up at 134 from 116th in 2023. Out of the total 18 entries from the IISc, just three programmes gained in rankings while 11 programmes declined. The decline in ranks, however, does not indicate "deterioration in academic excellence", according to QS officials. A drop in its H-index that measures productivity and impact of research done by scholars and scientists has been the primary reason for the drop in rankings, a spokesperson said. "The slight shifts observed in the IISc's standings in certain subjects do not necessarily

signify a deterioration in academic excellence. Rather, they reflect the evolving landscape of global education, where other institutions may be advancing at a faster pace in specific metrics," QS said in a written response to questions sent by The Indian Express. "...these changes are mostly attributable to a declining performance in research indicators such as Citations per Paper, H-Index, and International Research Network," it said. Attempts to reach IISc via email and phone did not elicit a response. Meanwhile, overall rankings showed that a majority of the higher educational institutions have shown either improved ranks or remained stable from last year. A total of 69 Indian universities made it to the rankings with 424 entries, which marks a 19.4% rise from the previous year's 355 entries.

University of Delhi, with 30 subject entries this year, showed improvement in 12 subjects such as anthropology, developmental studies and environmental sciences. IIT Bombay's chemistry programme broke into the global

top-100 by obtaining 94th rank up from previous year's 116th spot. Overall with 28 entries, IIT Bombay showed improvement in 17 of its entries this year. Programmes like chemical engineering (64th rank, up by 13 ranks), mineral and mining engineering (25th rank, up by 12 ranks) gained in global 100 ranks. Some of the other most represented Indian universities in this edition include IIT Kharagpur with 27 entries, IIT Madras with 22 entries, and IIT Delhi with 19 entries. The Computer Science Engineering programme at IIT Delhi rose to the 63rd rank from the 67th position the previous year. A newcomer in the field, Jawaharlal Nehru University's development studies is the highest-ranked in India. The university also bagged 11th rank in the 'academic reputation' category. However, the sociology programme at JNU which was ranked 68 last year has dropped to 91st spot this year. O P Jindal Global University has made significant strides by ascending to the 74th position globally in law from 84th position.

पांच साल बाद यूटीडी में 10 फीसद बढ़ेगी फीस

इंदौर। कोरोना संक्रमण के कारण देवी अहिल्या विश्वविद्यालय पांच साल बाद अपने पाठ्यक्रम की फीस बढ़ाने पर विचार कर रहा है। तक्षशिला परिसर स्थित यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) से संचालित पाठ्यक्रम की आठ से दस फीसद फीस में वृद्धि की जाएगी। इसके लिए फीस विनियामक समिति ने विभागों से प्रत्येक पाठ्यक्रम की फीस का विवरण मांगा है। यह प्रस्ताव 20 दिनों यानी 30 अप्रैल तक समिति को भिजवाना है। उसके आधार पर समिति बैठक कर फैसला लेगी। अधिकारियों के अनुसार बैठक मई के अंतिम सप्ताह में होगी।

वर्ष 2019 में विश्वविद्यालय ने अपने पाठ्यक्रम की ट्यूशन फीस में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी की। 2020 में महामारी को फैलने से रोकने को लेकर देशभर में लॉकडाउन लगा। इस दौरान कई परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई थी। विश्वविद्यालय ने इसे ध्यान में रखते हुए 2020-2021 और 2020 में फीस शेड्यूल को लेकर बदलाव नहीं किया। बीते साल अधिकांश विभागाध्यक्षों ने फीस संबंधित प्रस्ताव नहीं भेजा था।

फरवरी में विश्वविद्यालय ने फीस विनियामक समिति बनाई है, जिसमें आईटी डायरेक्टर डा. संजीव टोकेकर, आइआइपीएस निदेशक डा. बीके त्रिपाठी, स्कूल आफ सोशल साइंस की विभागाध्यक्ष डा. रेखा आचार्य, वित्त नियंत्रक और विकास विभाग के प्रभारी की सदस्य बनाया है। मार्च में पहली बैठक बुलाई और फीस बढ़ाने पर जोर दिया। विभागाध्यक्षों से फीस संबंधित प्रस्ताव मांगे हैं।

28 विभागों में 130 पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर में 28 विभागों बने हैं। यहां से संचालित होने वाले 130 स्नातक-स्नातकोत्तर और इंटीग्रेटेड कोर्स हैं। लगभग 18 हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं, मगर नया फीस शेड्यूल 2024-25 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों पर लागू होगा। प्रत्येक विभाग को प्रवेश प्रक्रिया से पहले फीस के बारे में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नई दरों का उल्लेख करना होगा।

बढ़ेगी सैलरी, बढ़ेगा पीएफ, सरकार कर्मचारियों को बड़ी राहत देने की कर रही तैयारी

सरकार कर्मचारियों को बड़ी राहत देने की तैयारी कर रही है। इसके लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने की योजना है। इसके तहत पीएफ खाते में योगदान के लिए न्यूनतम वेतन सीमा यानी बेसिक सैलरी को 15 हजार से बढ़ाकर 21 हजार रुपये किया जा सकता है। इसका सीधा मतलब यह है कि पीएफ और पेंशन खाते में अधिक राशि जाएगी।

प्रस्ताव पर दोबारा विचार

पीएफ के लिए सैलरी लिमिट को बढ़ाने का प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से लंबित है। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि हम सभी विकल्पों का मूल्यांकन कर रहे हैं



और नई सरकार द्वारा इस संबंध में निर्णय लिया जा सकता है। ऐसा करना सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम होगा। अधिकारी के अनुसार, वेतन सीमा बढ़ाने से सरकार और निजी क्षेत्र दोनों पर भारी वित्तीय प्रभाव पड़ेगा।

लाखों कर्मचारियों को होगा लाभ

अधिकारी ने बताया कि बढ़ी हुई वेतन सीमा से लाखों श्रमिकों को लाभ होगा, क्योंकि अधिकांश राज्यों में न्यूनतम मजदूरी 18,000 और 25,000 के बीच है। अभी जो सैलरी लिमिट है, उस वजह से वे किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा से वंचित हो जाते हैं।

2014 में हुआ था बदलाव

ईपीएफओ के तहत वेतन सीमा में आखिरी बार साल 2014 में बदलाव हुआ था। तब इसे 6,500 से बढ़ाकर 15,000 कर दिया गया था। हालांकि, इससे उल्टे कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी)

में भी वेतन की सीमा इससे ज्यादा है। वहां साल 2017 से ही 21,000 की उच्च वेतन सीमा है और सरकार के भीतर इस बात पर सहमति है कि दो सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत वेतन सीमा को एक जैसा किया जाना चाहिए। ईपीएफओ और ईएसआईसी दोनों श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

अभी कितना योगदान

मौजूदा नियमों के तहत कर्मचारी और नियोक्ता दोनों ईपीएफ खाते में मूल वेतन, महंगाई भत्ता और प्रतिधारण भत्ता (यदि कोई हो) का 12-12 फीसदी का समान योगदान करते हैं।

जहां कर्मचारी का पूरा योगदान भविष्य निधि खाते में जमा किया जाता है, वहीं नियोक्ता के योगदान का 8.33 फीसदी कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है और शेष 3.67 फीसदी पीएफ खाते में जमा किया जाता है।

कितना फायदा होगा

अगर बेसिक सैलरी 21 हजार रुपये हो जाती है तो कर्मचारी का पीएफ में योगदान 2520 रुपये हो जाएगा, जो अभी 1800 रुपये है। वहीं, नियोक्ता भी इतना ही योगदान करेगा, जिसमें से 1749 रुपये पेंशन खाते में जाएंगे। शेष 771 रुपये पीएफ खाते में जमा होंगे।

सीआईआई प्रमुख का सुझाव- रोजगार प्रोत्साहन योजना लेकर आए सरकार, चार क्षेत्रों में सुधार जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर दिनेश ने सुझाव दिया कि सरकार उन उत्पादन से जुड़ी योजनाओं (पीएलआई) के अनुरूप रोजगार प्रोत्साहन योजना लेकर आए, जिन्हें उसने कई क्षेत्रों के लिए शुरू किया है। उन्होंने कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना न केवल नौकरियां पैदा करेगी बल्कि पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य और रसद जैसे क्षेत्रों को भी बढ़ाने में मदद करेगी। सीआईआई प्रमुख ने कहा, हम रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का सुझाव दे रहे हैं, खासतौर पर पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और रसद जैसे उच्च रोजगार पैदा करने वाले कुछ क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए। चुनावी मौसम में दिनेश ने कहा कहा कि भारत के नीति घोषणापत्र में बड़ा सुधार होना चाहिए। भारत को मोटे तौर पर चार क्षेत्रों में बड़े सुधारों की जरूरत है- श्रम सुधार, कृषि सुधार, लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) के क्षेत्र में सुधार और फिनटेक क्षेत्र में सुधार।

दिनेश ने कहा, कृषि और श्रम सुधारों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच व्यापक सहमति की जरूरत है। कृषि और श्रम क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति तक पहुंचने के लिए वस्तु एवं सेवा कर परिवर्ध (जीएसटी कार्डिनल) जैसी एक संस्था बनाई जानी चाहिए। यह संस्था इन सुधारों का उचित और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकता है।



उन्होंने कहा, आज हमारे पास एमएसएमई हैं। उन्होंने औपचारिक अर्थव्यवस्था, बैंकों और फिनटेक से फंडिंग तक बेहतर पहुंच मिलनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि आपातकालीन क्रेडिट लाइन नगरीय योजना (ईसीएलजीएस) को उनके समर्थन के लिए संस्थागत बनाया जा सकता है। ऐसा करने के लिए इसे एक रेंटिंग एजेंसी के साथ गठजोड़ की आवश्यकता है। यह एमएसएमई के लिए रेंटिंग को उपयुक्त बनाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा, एमएसएमई की मुख्य चुनौती स्थिरता और हरित उर्जा में बदलाव के लिए धन प्राप्त करना है। इस मकसद के लिए एक कोष बनाया जाना चाहिए। दिनेश ने स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकारी खर्च बढ़ाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सफल परेल्ड उत्पाद (जीडीपी) का तीन और छह फीसदी स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाना चाहिए।

सारे रिकॉर्ड ध्वस्त: सोना 73000 से 33 रुपये दूर, चांदी 84000 के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स के बाद सोना-चांदी आज सर्राफा मार्केट में भी उड़ान भर रहे हैं। सोना शुक्रवार को 1122 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 72967 रुपये के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 1262 रुपये प्रति किलो की छलांग लगाकर 83605 रुपये पर पहुंच गई है। अप्रैल में सोना 5715 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। जबकि, चांदी के रेट में 9478 रुपये प्रति किलो का उछाल आया है।

आईबीजेए के लेटेस्ट रेट के मुताबिक आज 23 कैरेट सोना 1140 रुपये चढ़कर 72675 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। दूसरी ओर 22 कैरेट सोने की कीमत 1048 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 66838 रुपये पर पहुंच गई है। जबकि, 18 कैरेट सोना भी आज 858 रुपये चढ़कर 54725 रुपये पर पहुंच गया। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड का भाव 669 रुपये उछलकर 42686 रुपये पर पहुंच गया। आईबीजेए के ये रेट कई शहरों से लिए गए हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर हो।



3 साल में 28048 रुपये बढ़ गया सोने का भाव

एक अप्रैल 2021 को सर्राफा मार्केट में 24 कैरेट सोने का भाव 44919 रुपये पर बंद हुआ था। आज 44919 रुपये पर बंद हुआ है। तीन साल में ही सोना 28048 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया। दूसरी तरफ चांदी की बात करें तो इन तीन सालों में चांदी 63737 रुपये प्रति किलो से 19868 रुपये उछलकर 83605 रुपये पर पहुंच गई।

एमसीएक्स पर पहली बार सोना 72500 और चांदी 84000 के पार : एमसीएक्स के बाद सोना-चांदी आज सर्राफा मार्केट में भी उड़ान भर रहे हैं।

रुपये पर पहुंच गया। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड का भाव 669 रुपये उछलकर 42686 रुपये पर पहुंच गया। आईबीजेए के ये रेट कई शहरों से लिए गए हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर हो।

3 साल में 28048 रुपये बढ़ गया सोने का भाव : एक अप्रैल 2021 को सर्राफा मार्केट में 24 कैरेट सोने का भाव 44919 रुपये पर बंद हुआ था। आज यह 72967 रुपये पर पहुंच गया है। तीन साल में ही सोना 28048 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया। दूसरी तरफ चांदी की बात करें तो इन तीन सालों में चांदी 63737 रुपये प्रति किलो से 19868 रुपये उछलकर 83605 रुपये पर पहुंच गई। इसी 28 मार्च को 24 कैरेट सोने का भाव 67252 रुपये के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। इसके बाद एक अप्रैल को सोना रिकॉर्ड 68964 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। 3 अप्रैल को यह फिर नए शिखर 69526 पर और अगले दिन ही 69936 के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। 8 अप्रैल को सोना 71279 रुपये पर पहुंच गया।



माता दुर्गा के चमत्कारिक और सिद्ध मंदिर

मां दुर्गा के 10 चमत्कारिक और सिद्ध मंदिर जहां जाने से भक्तों की मनोकामना तुरंत ही पूर्ण हो जाती है।

- **ज्वालादेवी** : भारत के हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में जहां माता की जीभ गिरी थी उसे ज्वालाजी स्थान कहते हैं। यहां पृथ्वी के भीतर से कई अग्निशिखाएं निकल रही हैं।
- **नैना देवी** : कुमाऊं क्षेत्र के नैनीताल में पर्वत पर एक बड़ी सी झील त्रिकूषि सरोवर के समीप मल्लिकाल वाले किनारे पर नयना देवी का भव्य मंदिर है।
- **मनसादेवी** : मनसादेवी का मंदिर हरिद्वार में है जहां शक्ति त्रिकोण है। इसके एक कोने पर नीलपर्वत पर स्थित भगवती देवी चंडी, दूसरे पर दक्षेश्वर स्थान वाली पार्वती और तीसरे पर बिल्वपर्वतवासिनी मनसादेवी विराजमान हैं।
- **कालीपीठ** : भारतीय राज्य बंगाल के कोलकाता शहर के हावड़ा स्टेशन से 5 मील दूर भागीरथी के आदि स्रोत पर कालीघाट नामक स्थान पर कालीकाजी का मंदिर है।
- **हरसिद्धि** : भारत के मध्यप्रदेश राज्य के नगर उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के समीप क्षिप्रा नदी के तट पर हरसिद्धि माता का मंदिर है जो राजा विक्रमादित्य की कुलदेवी है। उज्जैन में ही चमत्कारिक गढ़कालिका का मंदिर भी है।
- **पावागढ़** : गुजरात में चंपारण के पास ऊंची पहाड़ी पर काली माता का प्रसिद्ध मंदिर मां के शक्तिपीठों में से एक है। पावागढ़ में मां के वक्षस्थल गिरे थे। यहां की माता को महाकाली कहा जाता है।
- **अर्बुदा देवी** : भारतीय राज्य राजस्थान के सिरोंही जिले में स्थित नीलगिरि की पहाड़ियों की सबसे ऊंची चोटी पर बसे माउंट आबू पर्वत पर स्थित अर्बुदा देवी के मंदिर को 51 प्रधान शक्ति पीठों में गिना जाता है।
- **योगमाया** : भारतीय राज्य कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से 27 किलोमीटर मील उत्तर में गांदरबल जिले के तुलमुला गांव के एक जलाशय के मध्य में योगमाया का मंदिर स्थित है। यहां माता को राज्ञा देवी और क्षीर भवानी और खीर भवानी भी कहते हैं।
- **गुवहाटी** : भारतीय राज्य असम में गुवहाटी से 2 मील दूर पश्चिम में नीलगिरि पर्वत पर स्थित सिद्धिपीठ को कामाख्या या कामाक्षा पीठ कहते हैं। कालिका पुराण में इसका उल्लेख मिलता है।
- **विन्ध्याचल** : कंस के हाथ से छुटकर जिन्होंने भविष्यवाणी की थी वही श्रीविन्ध्यावासिनी हैं। यहीं पर भगवती ने शुभ और निशुभ को मारा था। इस क्षेत्र में शक्ति त्रिकोण है।



ऐसे पाएं मां कात्यायनी का आशीर्वाद

नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। देवी मां के छठे स्वरूप को कात्यायनी नाम से पुकारा जाता है। मां कात्यायनी को दानवा और पापी जीव धारियों का नाश करने वाली देवी कहा जाता है। मान्यता के अनुसार इनकी उपासना से संपूर्ण रोगों और भय का नाश होता है। महिषासुर राक्षस का वध करने के कारण इनका एक नाम महिषासुर मर्दिनी भी है।

फलदायिनी और संहारिणी है रूप

मां कात्यायनी को सबसे फलदायी माना जाता है, लेकिन साथी ही ये दानवों, असुरों और पापी जीवधारियों का नाश करने वाली देवी भी कहलाती हैं। जानिए कौन हैं मां कात्यायनी कात्यायनी महर्षि कात्यायन की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर उनकी इच्छानुसार उनके यहां पुत्री के रूप में पैदा हुई थीं। महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इनकी पूजा की थी, इसीलिए ये कात्यायनी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं।

ऐसा है मां का स्वरूप

इनका वाहन सिंह है और इनकी चार भुजाएं हैं। इनके एक हाथ में तलवार है और एक हाथ में पुष्प हैं।

मंत्र: चंद्र हासोज्ज वलकरा शार्दूलवर वाहना। कात्यायनी शुभं दद्या देवी दानव घातिनी। चढ़ावा: इस दिन प्रसाद में मधु यानी शहद का प्रयोग करना चाहिए। देवी मां को प्रसन्न करने के लिए गुड़ का दान करना चाहिए और नारंगी रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

ऐसे करें पूजा

दुर्गा पूजा के छठे दिन भी सर्वप्रथम कलश

ग्रह पीड़ा निवारण

जिस जातक की जन्म कुंडली में शुक्र प्रतिकूल भाव, प्रतिकूल राशि या प्रतिकूल ग्रहों के साथ स्थित हो उन जातक-जातिकाओं को मां कात्यायनी के मंत्र का जाप करने से ग्रह प्रतिकूलता का निवारण हो जाता है।

देवी कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं इनकी पूजा अर्चना द्वारा सभी संकटों का नाश होता है, मां कात्यायनी दानवों तथा पापियों का नाश करने वाली हैं। देवी कात्यायनी जी के पूजन से भक्त के भीतर शक्ति का संचार होता है। इस दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित रहता है। योग साधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित होने पर उसे सहजभाव से मां कात्यायनी के दर्शन प्राप्त होते हैं। साधक इस लोक में रहते हुए अलौकिक तेज से युक्त रहता है।

और देवी कात्यायनी जी की पूजा की जाती है। पूजा की विधि शुरू करने पर हाथों में फूल लेकर देवी को प्रणाम कर देवी के मंत्र का ध्यान जरूर करें। इस दिन दुर्गा साप्तशती के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। पुष्प और जायफल देवी को अर्पित करना चाहिए। देवी मां के साथ भगवान शिव की भी पूजा करनी चाहिए। जो चीजें भगवान शिव को प्रिय हैं वो चीजें देवी मां को चढ़ानी चाहिए।

कवच

कात्यायनी मुखं पातु का स्वाहास्वरूपिणी। ललाटे विजया पातु मालिनी नित्य सुन्दरी। कल्याणी हृदयं पातु जया भगमालिनी।

रोग होते हैं दूर

यदि आपके परिवार अथवा आप स्वयं या आपके परिचित में कोई व्यक्ति लंबे समय तक बीमार रहता हो, डाक्टर स्वयं बीमारी को पकड़ नहीं पा रहे हों। तो आज के दिन यह उपाय शुरू किया जा सकता है। एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछा दें। दुर्गा यंत्र स्थापित करें। सफेद कपड़े में सात कौड़ियां, सात गोमती चक्र, सात नागकेसर के जोड़े, सात मुट्ठी चावल बांध कर यंत्र के सामने रख दें। धूप-दीप, नैवेद्य, पुष्प और अक्षत अर्पित करने बाद एक माला ऊं ऐं ह्रीं वलीं चामुण्डायै विच्चे। ऊं कात्यायनी देव्यै नमः एक माला शुक्र के बीज मंत्र की और एक माला शनि मंगलकारी गायत्री मंत्र की। ऐसा आज से लेकर 43 दिन तक नियमित करें। ऐसी मानता है कि किसी भी बीमारी होगी। उससे छुटकारा मिल जाएगा।

भय से मिलेगा छुटकारा

यदि हमेशा भय बना रहता है, यदि छोटी सी भी बात पर पैर कंपने लगते हैं, यदि कोई भी निर्णय नहीं ले पाते हैं तो छठे नवरात्र से यह उपाय शुरू करें। घी का दीपक जला कर एक माला 'ऊं ऐं ह्रीं वलीं चामुण्डायै विच्चे। ऊं कात्यायनी देव्यै नमः मंत्र का सुबह और शाम जाप करें। रात्रि सोते समय पीपल के पत्ते पर इस मंत्र को केसर से पीपल की लकड़ी की कलम से लिख कर अपने सिरहाने रख दें और सुबह मां के मंदिर में रखकर आ जाएं। भय से छुटकारा मिल जाएगा।



दूर करती हैं ये कष्ट

सभी देवियों में मां कात्यायनी को सबसे फलदायिनी माना जाता है। महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदिशक्ति ने खुद उनके यहां पुत्री के रूप में जन्म लिया था और षष्ठम नवरात्रि के दिन मां कात्यायनी की पूजा और आराधना होती है। आपको बता दें कि मां कात्यायनी की आराधना से भक्त का हर काम सरल एवं सुगम होता है। जीवन की ज्यादातर रुकावटें और परेशानियां मां कात्यायनी की आराधना से दूर हो जाती हैं।

विवाह बाधा होती हैं दूर

देवी कात्यायनी का तंत्र में अति महत्व है। विवाह बाधा निवारण में इनकी साधना चमत्कारिक लाभदायक सिद्ध होती है। जिन कन्याओं के विवाह में विलम्ब हो रहा हो या विवाह बाधा आ रही हो, ग्रह बाधा हो उन्हें कात्यायनी यंत्र की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर उस पर निश्चित दिनों तक निश्चित संख्या में कात्यायनी देवी के मंत्र का जाप अति लाभदायक होता है। इससे विवाह बाधा दूर हो जाती है और जल्दी ही विवाह का मार्ग प्रशस्त होता है। जो खुद न कर सके वे अच्छे कर्मकांडी से इसका अनुष्ठान करवाकर लाभ उठा सकते हैं।



पंचम
माता
स्कंदमाता

सिंहासनगता नित्यं पद्माञ्चितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

नवरात्री पंचम तिथि मां स्कंदमाता की पूजा

मां दुर्गा का पंचम रूप स्कन्दमाता के रूप में जाना जाता है। भगवान स्कन्द कुमार (कार्तिकेय)की माता होने के कारण दुर्गा जी के इस पांचवे स्वरूप को स्कंद माता नाम प्राप्त हुआ है। भगवान स्कन्द जी बालरूप में माता की गोद में बैठे होते हैं इस दिन साधक का मन विशुद्ध चक्र में अवस्थित होता है। स्कन्द मातृस्वरूपिणी देवी की चार भुजायें हैं, ये दाहिनी ऊपरी भुजा में भगवान स्कन्द को गोद में पकड़े हैं और दाहिनी निचली भुजा जो ऊपर की उठी है, उसमें कमल पकड़ा हुआ है। मां का वर्ण पूर्णतः शुभ्र है और कमल के पुष्प पर विराजित रहती हैं। इसी से इन्हें पद्मासना की देवी और विद्यावाहिनी दुर्गा देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। मां स्कंदमाता सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनकी उपासना करने से साधक अलौकिक तेज की प्राप्ति करता है। यह अलौकिक प्रभामंडल प्रतिक्षण उसके योगक्षेम का निर्वहन करता है। एकाग्रभाव से मन को पवित्र करके मां की स्तुति करने से दुःखों से मुक्ति पाकर मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है।

पूजा विधि

कुण्डलिनी जागरण के उद्देश्य से जो साधक दुर्गा मां की उपासना कर रहे हैं उनके लिए दुर्गा पूजा का यह दिन विशुद्ध चक्र की साधना का होता है। इस चक्र का भेदन करने के लिए साधक को पहले मां की विधि सहित पूजा करनी चाहिए। पूजा के लिए कुश अथवा कम्बल के पवित्र आसन पर बैठकर पूजा प्रक्रिया को उसी प्रकार से शुरू करना चाहिए जैसे आपने अब तक के चार दिनों में किया है फिर इस मंत्र से देवी की

प्रार्थना करनी चाहिए सिंहासनगता नित्यं पद्माञ्चितकरद्वया। शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी। अब पंचोपचार विधि से देवी स्कन्दमाता की पूजा की जाए। नवरात्रे की पंचमी तिथि को कहीं कहीं भक्त जन उद्यंग ललिता का व्रत भी रखते हैं। इस व्रत को फलदायक कहा गया है जो भक्त देवी स्कन्द माता की भक्ति-भाव सहित पूजन करते हैं उसे देवी की कृपा प्राप्त होती है देवी की कृपा से भक्त की मुराद पूरी होती है और घर में सुख, शांति एवं समृद्धि रहती है।

स्कन्दमाता की मंत्र

सिंहासना गता नित्यं पद्माश्रि तकरद्वया म। शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी। या देवी सर्वभूतेषु मां स्कंदमाता रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥

स्कन्दमाता की कवच

ऐं बीजालिका देवी पदयुग्मधरापरा। हृदयं पातु सा देवी कार्तिकेययुता। श्री हीं हूं देवी पर्वस्या पातु सर्वदा। सर्वांगं सदा पातु स्कन्धमाता पुत्रप्रदा। वाणवपणमृते हूं पट बीज समन्विता। उत्तरस्या तथाप्येव वारुणे नैतेऽवतु। इन्द्राणां भैरवी चैवासितांगी च संहारिणी। सर्वदा पातु मां देवी चान्यास्यासु हि दिक्षु वै। वात, पित, कफ जैसी बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति को स्कंदमाता की पूजा करनी चाहिए और माता को अलसी चढ़ाकर प्रसाद में रूप में ग्रहण करना चाहिए।



विधि-विधान के साथ करें मां कात्यायनी की पूजा

कात्यायनी नवदुर्गा या हिंदू देवी पार्वती (शक्ति) के नौ रूपों में छठवीं रूप हैं। शास्त्रों के अनुसार देवी ने कात्यायन ऋषि के घर उनकी पुत्री के रूप में जन्म लिया, इस कारण इनका नाम कात्यायनी पड़ गया। मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी मानी गई हैं। शिक्षा प्राप्ति के क्षेत्र में प्रयासरत भक्तों को माता की अवश्य उपासना करनी चाहिए। चैत्र नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। ये कात्यायन ऋषि की थीं इसी के चलते ही इनका नाम देवी कात्यायनी पड़ा है। मान्यता है कि इस दिन जो मां की पूजा करते हैं उन्हें सुयोग्य वर की प्राप्ति होती है। मां कात्यायनी को शत्रु और संकटों से मुक्त करने वाली माना गया है। कहा जाता है कि देवी ने ही असुरों से देवताओं की रक्षा की थी। मां ने महिषासुर का वध किया था और उसके बाद शुम्भ और निशुम्भ का भी वध किया था। सिर्फ यही नहीं, सभी नौ ग्रहों को उनकी कैद से भी छुड़ावाया था। आइए जानते हैं कात्यायनी देवी की पूजा विधि, मंत्र, आरती, कथा आदि।

मां कात्यायनी की पूजा विधि

● सुबह जल्दी उठ जाएं और स्नानादि कर सभी नित्यकर्मों से निवृत्त हो जाएं।

- सबसे पहले गणपति बाप्पा की पूजा करें। फिर देवी की तस्वीर या मूर्ति को एक चौकी पर स्थापित करें।
- फिर एक पुष्प हाथ में लें और निम्न मंत्र का जाप करें।
या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।
- इसके बाद फूल को मां के चरणों में चढ़ाएं। फिर देवी को लाल वस्त्र, 3 हल्दी की गांठ, पीले फूल, फल, नैवेद्य आदि अर्पित करें।
- इसके बाद दुर्गा चालिसा का पाठ करें। मां के मंत्रों का जाप करें और आरती का पाठ करें।

भोग विधि

मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाएं। इससे मां प्रसन्न हो जाती हैं। इस दिन मां को लाल रंग के फूल चढ़ाएं।

मां कात्यायनी की स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु मां कात्यायनी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

मां कात्यायनी की प्रार्थना

चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना। कात्यायनी शुभं दद्या देवी दानवघातिनी।

मां कात्यायनी बीज मंत्र

वलीं श्री त्रिनेत्रायै नमः

मां कात्यायनी के मंत्र

- कात्यायनी महामाये, महायोगिन्यधीधरी। नन्दगोपसुतं देवी, पति मे कुरु ते नमः।
- एतते वदनम साओमयम लोचन त्रय भूषितम। पातु नः सर्वभित्थय, कात्यायनी नमोस्तुते।



मंत्र-चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलावरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानवघातिनी॥

17 गेंदों में अर्धशतक जड़ने के बाद सूर्या ने कहा...

चीजे ट्रैक पर थी बस थोड़ा समय लगा

मुंबई, एजेंसी। रोहित शर्मा और इशान किशन ने बानखेड़े स्टेडियम में आरसीबी के खिलाफ 101 रनों की शुरुआती साझेदारी के साथ मुंबई इंडियंस के लिए धरोहर दर्शकों के सामने जीत आसान कर दी। ओपनिंग साझेदारी के बाद सूर्यकुमार यादव ने 17 गेंदों में तूफानी अर्धशतक बनाकर एमएआई फैस का रोमांच डबल कर दिया। इन पारियों के दम पर मेजबान टीम को 197 रन का लक्ष्य केवल 15.3 ओवर में हासिल करने में मदद मिली। सूर्यकुमार ने अपने आईपीएल इतिहास में एमएआई के लिए संयुक्त रूप से दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई है, टखने की चोट और स्पॉट्स

हिनिया सर्जरी के कारण लंबी छुट्टी के बाद फॉर्म में वापसी पर सदेह को खारिज करते हुए, बल्लेबाज ने कहा कि वह हमेशा अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए ट्रैक पर थे, जिसमें थोड़ा समय जरूर लगा। सूर्या ने कहा, मैं पहले से ही उन शॉट्स के बारे में सोचता हूँ जो मैं खेलता हूँ, क्योंकि मैंने नेट के दौरान उन सभी का अभ्यास किया है। मैं यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता हूँ कि मैं खेल की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी करूँ। जब भी मैं बल्लेबाजी करने जाता हूँ, मैं हमेशा यह देखने की कोशिश करता हूँ कि मैं खेल को कैसे बदल सकता हूँ और अपनी क्षमताओं से इसे कैसे निर्यात कर सकता हूँ। अगर मैं सफल

होता हूँ, तो बहुत अच्छा, अगर मैं नहीं करता हूँ, तो मैं आगे मैच में फिर से कोशिश करूँगा। मुझे लगता है कि ट्रेन हमेशा पटरी पर थी, बस चलने में थोड़ा समय लगा। सूर्यकुमार ने जियोसिनेमा से कहा, यह ठीक है, हम वापस आ रहे हैं और हमने अपनी लय हासिल कर ली है। बानखेड़े में लगातार दो मैच जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। इससे हमें

काफी आत्मविश्वास मिला है और टीम का माहौल भी बेहतर हुआ है। लगातार दो



घरेलू जीत के साथ, एमएआई रविशार शर्मा को बानखेड़े स्टेडियम में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की मेजबानी करेगा।

बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से हटाए जाने और रणजी ट्रॉफी विवाद पर इशान किशन ने तोड़ी चुप्पी



मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 25वें मैच में मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु को सात विकेट से हरा दिया। इशान ने 34 गेंद में 69 रन बनाकर मुंबई को 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए इशान ने आईपीएल शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले हुए विवादों पर से पर्दा हटाया। दरअसल, इशान को बीसीसीआई ने केंद्रीय अनुबंध से हटा दिया था। साथ ही बीसीसीआई की चेतावनी के बावजूद वह रणजी ट्रॉफी नहीं खेले थे। ऐसे में भारतीय टीम में उनका भविष्य सवाल के घेरे में था। इशान मानसिक थकान के कारण दक्षिण अफ्रीका सीरीज बीच में छोड़कर वापस लौट गए थे। इसके बाद न तो अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज और न ही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया था। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने इशान को भारतीय टीम में वापसी के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने की सलाह दी थी। हालांकि, इशान ने इसकी अनदेखी की और कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ आईपीएल की तैयारी करने का फैसला किया। बीसीसीआई ने फिर इशान के साथ-साथ श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई के वार्षिक अनुबंध से बाहर कर दिया था। अब इस पूरे विवाद पर इशान किशन ने बयान दिया है। उन्होंने कहा, मैं अभ्यास कर रहा था। जब मैंने खेल से थोड़ा खुद के लिए समय निकाला तो लोग काफी बातें कर रहे थे। सोशल मीडिया पर कई बातें आईं, लेकिन आपको यह भी महसूस करना चाहिए कि कई चीजें खिलाड़ियों के हाथ में नहीं होती हैं।

ब्रेक के दौरान मेरी मानसिकता में आया बदलाव

ब्रेक के दौरान इशान की मानसिकता में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव किया है। इसमें खास तौर पर करियर में सबकुछ बिगड़ जाने पर खुद को कैसे संभाला जाए, वह भी सीखा है। इशान ने कहा, केवल एक चीज जो आप कर सकते हैं, वह है समय का सही उपयोग। साथ ही यह कि इस खास स्थिति में अगर पिछला वाला इशान किशन होता तो उसकी मानसिकता क्या होती। मैं पहले दो ओवरों में कभी भी गेंद नहीं छोड़ता था। भले ही वे कितनी भी अच्छे गेंदबाजी कर रहे हों। एक टीम के रूप में कैसे खेलना है, यह मैंने सीखा। इशान ने कहा- अब समय के साथ मैंने सीखा है कि 20 ओवर भी बड़ा मैच है। आप अपना समय ले सकते हैं और आप आगे बढ़ सकते हैं। भले ही हम मैच हार गए हों, लेकिन हम एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहते हैं। मेरे अंदर बदलाव आया है जैसे कि अगर मैं प्रदर्शन नहीं कर रहा हूँ और अगर मुझे पता है कि कोई और प्रदर्शन नहीं कर रहा है, तो मैं उससे बात करता हूँ। मैं जानना चाहता हूँ कि वे क्या सोच रहे हैं। इसलिए इन चीजों ने ब्रेक के दौरान मेरी मदद की।

स्वर्ण विजेता को...

विश्व एथलेटिक्स के 41 लाख रुपये देने की घोषणा पर नीरज चोपड़ा की प्रतिक्रिया



पेरिस, एजेंसी। स्टार भाला फेंकर एथलीट नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स के पेरिस ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी एथलीटों को 50,000 डॉलर (करीब 41.60 लाख रुपये) का पुरस्कार देने के फैसले की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि वह चाहेंगे कि अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह का प्रोत्साहन मिले। यह पहली बार होगा कि जब इस साल पेरिस ओलंपिक की 48 एथलेटिक्स स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को विश्व एथलेटिक्स द्वारा भारी राशि दी जाएगी। विश्व एथलेटिक्स ने अपने इस दावे को बढ़ाने का वादा किया है कि 2028 लास एंजेलिस चरण में सभी तीनों पदक विजेताओं को शामिल किया जाएगा।

सक्रिय होता जा रहा है। आने वाले समय में मुझे लगता है कि वे डायमंड लीग जैसी प्रतियोगिताओं में भी वित्तीय प्रोत्साहन देंगे, जो अच्छा होगा।

परिवार को मिल रही आराम की जिंदगी

चोपड़ा ने खिलाड़ियों के लिए वित्तीय सुरक्षा की जरूरत पर बात करते हुए कहा, 'हम जो कमाई करते हैं, वो खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त है। इससे हमें आराम की जिंदगी जीने में मदद मिल रही है, हमारे परिवार को आराम की जिंदगी मिल रही है।'

ट्रेक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि देना लंबे समय से लंबित था क्योंकि ओलंपिक खेलों में जो भारी राजस्व मिलता है, उसमें ट्रेक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से फैसले पर चर्चा नहीं की जिसके अंतर्गत ओलंपिक खेल आयोजित होते हैं। यह दोनों के बीच तनाव का कारण हो सकता है।

टेनिस या फुटबॉल से नहीं की जा सकती तुलना

नीरज ने कहा, ऐसे के मामले में एथलेटिक्स में उस तरह की राशि नहीं है जैसे टेनिस या फुटबॉल और अन्य खेलों में है। विश्व एथलेटिक्स का पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एथलीट के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा करने का फैसला अच्छे शुरुआत है। यह अच्छा फैसला है विश्व एथलेटिक्स बहुत



दो घंटे तक चला मैच

मोंटे कार्लो मास्टर्स में विश्व नंबर सात से कड़े संघर्ष में हारे सुमित नागल

मोंटे कार्लो (फ्रांस)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में विश्व नंबर सात डेनमार्क के होल्गर रुने से तीन सेटों के संघर्ष में हार गए। उन्हें दो घंटे 11 मिनट में 3-6, 6-3, 2-6 से हार मिली। बुधवार को दोनों के बीच मुकाबला रुक गया था। उस वक्त रुने 6-3, 3-5 से आगे थे। गुरुवार को सुमित ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए दूसरा सेट अपने नाम कर

लिया। तीसरे सेट में दोनों 2-2 से बराबर थे, लेकिन यहां से रुने ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए बाकी चार गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने के साथ सुमित का एटीपी रैंकिंग में करियर की श्रेष्ठ 80वां रैंकिंग पर पहुंचना तय हो गया है। वह अभी 93वां रैंकिंग पर है। यही नहीं सुमित को फेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में भी प्रवेश मिल गया है।

उदित को रजत, फाइनल में जापान के पहलवान से हारे

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप:

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारत के उदीयमान पहलवान उदित को पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा के फाइनल में जापान के केंटो यूमिया के हाथों 4-5 से पराजित के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अभिमन्यु ने 70 किग्रा के फ्रीस्टाइल में



एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप

उज्बेकिस्तान के बेजिजोन कुल्दाशेव को 6-5 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, विक्की ने 97 किग्रा में किर्गिस्तान के आंद्रे रोमानोविच अरोनोव को 10-1 से मात दी। ट्रायल में बजरंग पुनिया को हराने वाले रोहित कुमार 65 किग्रा में जापान के मासानोसुकु ओनो से 3-5 से हार गए।

परिवंदर सिंह एकमात्र भारतीय पहलवान थे जो पदक दौर में नहीं पहुंच सके। वह 79 किग्रा स्पर्धा में क्वालीफिकेशन में जापान के रियुनोसुकु कामिया से 0-3 से हारकर बाहर हो गए। यह सीनियर स्तर पर उदित का दूसरा पदक है। उन्होंने 2022 में ट्यूनिसिया में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज में रजत पदक जीता था।

सिंधू-प्रणय हारे, टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त



एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप

निंगबो (चीन)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय के यहां अपने प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर होने से एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। पेरिस ओलंपिक से पहले फॉर्म में लौटने की कोशिश में जुटी सिंधू ने एक घंटे और नौ मिनट तक कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन अंत में छठी वरीयता प्राप्त चीन की हान युए से 18-21, 21-13 17-21, से हार गई। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को चीनी ताइपे के गैर वरीय लिन चुन यि से महज 43 मिनट में 18-21, 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

भारतीयों के एक अन्य नतीजे में तनीषा कास्टो और अश्विनी पोनप्पा की युगल जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की नामी मातसुयामा और चिहारू शिडा की तीसरी वरीय जोड़ी से 17-21, 12-21 से पराजित हो गई। निर्णायक गेम में युए 17-10 से आगे हो गई। सिंधू ने हालांकि कुछ

अंक जुटाकर अंतर 20-17 किया। सिंधू ने दो गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन अंत में उनकी प्रतिद्वंद्वी ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं, प्रणय अपने मुकाबले के दौरान आत्मविश्वास से भरे हुए नहीं दिखे जबकि एक समय दोनों खिलाड़ी पहले आठ अंक में बराबरी पर थे।

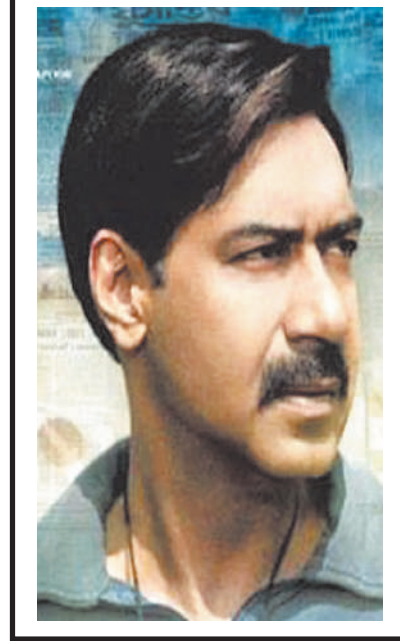
दोहरी भूमिका में नजर आएंगे विजय



नजर आएंगे विजय

बॉक्स ऑफिस पर पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म लियो देने वाले अभिनेता थलापति विजय इन दिनों अपनी अगली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर खासी सुर्खियों में हैं। गुरुवार को इस फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के प्रदर्शन तिथि की घोषणा की। विजय की यह फिल्म लंबे समय से सुर्खियों में है। गुरुवार को फिल्म के निर्माताओं में से एक, ऐश्वर्या कल्पथी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। इसके साथ उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर भी साझा किया। पोस्टर में थलापति विजय दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। ऐश्वर्या ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में जानकारी देते हुए बताया कि फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' 5 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। यह फिल्म बेहद खास होने वाली है। फिल्म के नए पोस्टर में विजय एकदम अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में एक विस्फोट होता हुआ भी दिखाई दे रहा है। हाल ही में, थलापति विजय का फिल्म के सेट से एक वीडियो भी वायरल हुआ था।

अजय देवगन की मैदान को मिल रही तारीफ



बॉक्स ऑफिस पर ईद के मौके पर रिलीज हुई मैदान कमाई की रस में बड़े मियां छोटे मियां से पिछड़ गई है। फिल्म की एडवांस बुकिंग महज 1 करोड़ रुपये है, जबकि सुबह और दोपहर के शो में दर्शकों की संख्या भी कम देखी गई है। जानिए पहले दिन यह फिल्म कितनी कमाई करेगी। अजय देवगन की स्पॉट्स ड्रामा फिल्म मैदान आखिरकार ईद के मौके पर रिलीज हो गई है। यह भारतीय फुटबॉल के गोल्डन बॉय कहे जाने वाले सैयद अब्दुल रहीम की बायोपिक है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से तारीफ तो खूब मिल रही है, लेकिन ओपनिंग डे पर कमाई की रस में यह बड़े मियां छोटे मियां से पिछड़ गई है। अश्वय कुमार और टाइगर श्राफ की फिल्म की तरह ही मैदान की एडवांस बुकिंग भी बेदम रही है। जबकि बुधवार शाम से फिल्म के कुछ पेड प्रिव्यू शो खे गे थे, इस कारण भी ओपनिंग डे की कमाई पर असर पड़ना स्वभाविक है।



अब अंताक्षरी शो के होस्ट बनेंगे कपिल शर्मा

साल 2006 में पहली बार टेलीविजन पर पंजाबी रियलिटी शो 'हंसदे हंसादे रवो' में कैमरे के सामने आए कॉमेडियन कपिल शर्मा का नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहा शो रंग जमाने में नाकाम रहा। नेटफ्लिक्स प्रबंधन अब इस कोशिश में है कि कैसे तरह इस शो के बचे हुए एपिसोड के लिए दर्शकों की रुचि बरकरार रखी जाए। इस बारे में दर्शकों की राय जानने के लिए बाकायदा सर्वे हो रहे हैं। इस बीच पता चला है कि कपिल शर्मा अब फिर से टेलीविजन पर एक शो होस्ट की तरह लौटने के जुगाड़ में हैं। अमेरिकी ओटीटी नेटफ्लिक्स के लिए कपिल शर्मा ने खुद ही अपनी कंपनी के बैनर तले एक साप्ताहिक कॉमेडी शो बनाया है, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो'। इस शो के अब तक दो एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं और दोनों ही एपिसोड से उनके प्रशंसक खासे निराश हुए हैं। इस शो को 10 लेखकों की टीम मिलकर लिख रही है लेकिन मामला जम नहीं पा रहा।

संक्षिप्त समाचार

साइबर क्राइम की रैकिंग जारी, टॉप तीन में चौकाने वाले नाम



नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर के साइबर अपराध विशेषज्ञों का सर्वेक्षण करने वाले शोध के अनुसार साइबर अपराध में रूस शीर्ष पर है। इस सूची में भारत 10वें स्थान पर है। शोधकर्ताओं की टीम ने विश्व साइबर अपराध सूचकांक तैयार किया है। रैसमवेयर, क्रैडिट कार्ड चोरी सहित साइबर अपराध की विभिन्न श्रेणियों के अनुसार लगभग 100 देशों को रैंकिंग दी गई है। इस सूची में दूसरे स्थान पर यूक्रेन है। तीसरे स्थान पर चीन है। इसके बाद अमेरिका, नाइजीरिया और रोमानिया हैं। पीएलओएस वन जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार, उत्तर कोरिया सातवें, ब्रिटेन आठवें और ब्राजील नौवें स्थान पर है। सर्वेक्षण के माध्यम से शोधकर्ताओं ने वर्चुअल दुनिया में अंजाम दिए जा रहे अपराधों के मामले में विभिन्न देशों के बारे में विशेषज्ञों की राय ली। इसके आधार पर यह रैंकिंग जारी की है। साइबर अपराध की जिन प्रमुख श्रेणियों की पहचान की गई है उनमें रैसमवेयर सहित जबर्न वसूली, हैकिंग, क्रैडिट कार्ड सहित डाटा की चोरी, अग्रिम शुल्क धोखाधड़ी, मनी लाँड्रिंग शामिल हैं। लोगों को पहले भुगतान (एडवॉंस) के लिए कहकर सबसे अधिक ठगी की जाती है।

पहले सामान दिया फिर दबे पांव सीढ़ियां चढ़ चुरा ले गया जूते



नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में फूड डिलीवरी ऐप स्विगी के डिलीवरी ब्वॉय द्वारा जूता चुराने का वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो 9 अप्रैल का है। गुरुग्राम के एक फ्लैट के बाहर रखे जूते को यह डिलीवरी ब्वॉय चुराता हुआ नजर आ रहा है। इस घटना का वीडियो एक्स पर रोहित अरोड़ा नाम के एक यूजर ने शेयर किया है। 11 तारीख को शेयर किए गए इस वीडियो को लेकर दावा किया गया है कि जो जूते डिलीवरी ब्वॉय ने चुराए हैं वो उसके दोस्त के हैं। खास बात यह भी है कि स्विगी ग्राहक सेवा केंद्र की तरफ से रोहित की शिकायत पर प्रतिक्रिया भी दी गई है। जो वीडियो सामने आया है उसमें नजर आ रहा है कि यह डिलीवरी ब्वॉय सीढ़ियों से ऊपर आता है और एक डोर बेल बजाता है। दरवाजे के पास कुछ जूते रखे हुए नजर आ रहे हैं। यह डिलीवरी ब्वॉय कुछ देर तक उन जूतों को निहारता है। कुछ पल बाद एक महिला दरवाजा खोल कर खाने का सामान ले लेती है। यह डिलीवरी ब्वॉय कुछ सीढ़ियां उतर कर कुछ पल के लिए वहां खड़ा हो जाता है। वो अपने सिर पर रखे तौलिये को उतारता है और उससे अपना चेहरा पोंछता है। इधर-उधर नजर दौड़ाने के बाद वो दोबारा दबे पांव सीढ़ियां चढ़ कर ऊपर आता है और फिर फ्लैट के बाहर रखे जूते को उसी तौलिये में लपेट कर वहां से फरार हो जाता है। डिलीवरी ब्वॉय की इस हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हुआ है। जल्द ही स्विगी की भी नजर इस पोस्ट पर पड़ी और ऐप की तरफ से कहा गया, हाय रोहित, हम अपने डिलीवरी पार्टनर्स से बेहतर की उम्मीद करते हैं। हम डायरेक्ट मैसेज पर बात करते हैं ताकि हम आपको बेहतर सहायता प्रदान कर सकें। स्विगी की इस प्रतिक्रिया पर एक्स यूजर रोहित ने फूड डिलीवरी ऐप से कहा, कम से कम नाइक कंपनी के जूते के पैसे वापस करें। वो सस्ते नहीं है और इस तरह उन्हें गंवाना ठीक नहीं है। यूजर ने अपने कमेंट सेक्शन में यह भी बताया कि उन्होंने स्विगी को डायरेक्ट मैसेज किया था लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

चिलचिलाती गर्मी के बीच फिर एक्टिव होगा पश्चिमी विक्षोभ

दिल्ली-एनसीआर में 3 दिन तेज हवाओं संग बारिश की चैतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में चिलचिलाती धूप और गर्मी ने लोगों को अभी से ही सताना शुरू कर दिया है। दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में गुरुवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। राजधानी में लगातार आठवें दिन अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहा। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में गुरुवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है।

पश्चिमी विक्षोभ से मौसम बदलेगा - मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार दिन में हल्के बादलों की आवाजाही हो सकती है। शनिवार, रविवार और सोमवार को दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। राजधानी में एक बार फिर प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। गुरुवार



को दिल्ली के छह इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली में जनवरी का महीना बेहद प्रदूषित रहा था, लेकिन फरवरी और मार्च में मौसम के अलग-अलग कारणों की वजह से हवा कमोबेश साफ रही।

दिल्ली के बाद गुरुग्राम रहा एनसीआर में सबसे गर्म: अप्रैल महीने में ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में सबसे

ज्यादा गर्मी गुरुग्राम में रही। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी और भी ज्यादा परेशान करेगी। गुरुग्राम में अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि दिल्ली के नजफगढ़ का 40.1 डिग्री सेल्सियस, गजियाबाद में 37.1 डिग्री सेल्सियस, फरीदाबाद में 38 और नोएडा में 38 डिग्री सेल्सियस तापमान गुरुवार को रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को जिले में ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में सबसे

फरीदाबाद में 4 फ्लाईओवर बनने से खत्म होगा शहर का जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटी हरियाणा की स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में चार फ्लाईओवर बनने से जाम का खामा होगा। ये फ्लाईओवर जाम के बड़े पॉइंटों पर बनाए जाने प्रस्तावित हैं। फरीदाबाद मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफएमडीए) और लोक निर्माण विभाग इनकी कार्ययोजना बनाने में जुटे हुए हैं। अलग-अलग इलाकों में फ्लाईओवर बनने से शहर के विकास को भी पंख लगेगा।

नीलम चौक से लेकर बीके चौक और अजरौदा चौक तक ट्रैफिक रेंगता रहता है। एफएमडीए ने यहां जाम के खतमे के लिए एक फ्लाईओवर का प्रस्ताव विचारार्थीन है। इसके बनने से इस इलाके में जाम खत्म हो जाएगा। हालांकि, इसका निर्माण कार्य शुरू करने की समयावधि तय नहीं हुई है। इसी तरह एफएनजी (फरीदाबाद-नोएडा-गजियाबाद) एक्सप्रेसवे को गुरुग्राम-फरीदाबाद सड़क से जोड़ने के लिए सैनिक कॉलोनी से लेकर सेक्टर-29 आगरा नहर पुल तक फ्लाईओवर बनाने का प्रस्ताव है। इसके बनने से गुरुग्राम-फरीदाबाद सड़क से सेक्टर-29 तक लगने वाला जाम खत्म हो जाएगा। ग्रेटर फरीदाबाद से गुरुग्राम-फरीदाबाद के बीच आवाजाही करने वाले वाहन चालकों को जाम में नहीं फंसना पड़ेगा। दिल्ली-आगरा हवाई पर बल्लभगढ़ अनाज मंडी से लेकर एल्सन चौक तक बनने वाले फ्लाईओवर का निर्माण कार्य लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद शुरू होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और उद्योग मंत्री मूलचंद शर्मा गत माह इसका शिलान्यास कर चुके हैं। सोहना रोड पर बने दो लेन पुल को चाल लेने करने की कार्ययोजना चल रही है। चुनाव बाद इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसी तरह मुजेंसर रेलवे फाटक पर भी अंडरपास बनेगा। इसकी टेंडर प्रक्रिया भी लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद ही शुरू होगी। इसकी सभी जरूरी मंजूरीयें पूरी हो चुकी हैं। बल्लभगढ़ फ्लाईओवर और वाईएमसीए फ्लाईओवर की सर्विस सड़क पर जाम लग रहा है। यहां पर भी एक फ्लाईओवर की जरूरत है।

135वां चीनी आयात-निर्यात मेला आयोजित होगा



बीजिंग, एजेंसी। 135वां चीनी आयात और निर्यात मेला (कैंटन मेला) 15 अप्रैल से 5 मई तक क्रांगचो में तीन चरणों में आयोजित होगा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पूरे साल नियमित रूप से संचालित होता है। अब सभी तैयारी सुचारु ढंग से चल रही है। बताया जाता है कि वर्तमान मेले का क्षेत्रफल 15 लाख 50 हजार वर्ग मीटर है और 74 हजार मंडप स्थापित होंगे। 50 देशों और क्षेत्रों के 29 हजार से अधिक उद्यम मेले में भाग लेंगे, जो इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है। इन उद्यमों में निर्यात कंपनियों की संख्या 28 हजार 600 है और आयात कंपनियों की संख्या 680 है। 4,300 से अधिक उद्यम पहली बार मेले में हिस्सा लेंगे। वर्तमान

मेले में राष्ट्रीय उच्च तकनीक उद्यमों, श्रेष्ठ निर्माण उद्यमों और विशेष छोटे नए उद्यमों की संख्या 5,500 से अधिक है, जो पिछले मेले की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। अनुमान है कि मेले में 10 लाख नए उत्पाद प्रदर्शित होंगे। इनमें हरित उत्पादों और स्वतंत्र बौद्धिक संपदा अधिकार वाले उत्पादों की संख्या अलग-अलग तौर पर 4 लाख 50 हजार और 2 लाख 50 हजार से ज्यादा होंगी, जो दोनों पिछले मेले से अधिक हैं। आंकड़ों के अनुसार कैंटन मेले की स्थापना के बाद से अब तक 93 लाख से अधिक विदेशी व्यापारियों ने मेले में भाग लिया है। वैश्विक भागीदारों की संख्या 195 तक पहुंच गयी है।

दिल्ली के मुख्य सचिव समेत 2 अफसरों के खिलाफ एफआईआर, भ्रष्टाचार के सबूत लूटने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश की राजधानी दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार और उनके अधीनस्थ अफसर वाईवीवीजे राजशेखर के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले की एक अदालत के आदेश पर दर्ज की गई है। अल्मोड़ा के जिलाधिकारी विनीत तोमर ने कहा कि अल्मोड़ा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश पर दोनों अधिकारियों के विरुद्ध गोविंदपुर में राजस्व पुलिस उपनिरीक्षक द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया है।

राजस्व पुलिस प्रणाली केवल उत्तराखंड में ही लागू है, जो जिला प्रशासन के अधीन काम करती है। अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा भारतीय दंड विधान (आईपीसी) की धारा 392, 447, 120 बी, 504 और 506 तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है। जेल गए केजरीवाल का अब छिन गया दाहिना हाथ, 17 साल पुराने केस की वजह



से झटका अदालत ने इस साल दो मार्च को प्लीजेंट वैली फाउंडेशन नाम के एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा इस संबंध में दाखिल शिकायत को स्वीकार करते हुए राजस्व पुलिस ने अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने तथा

नियमानुसार मामले की जांच करने के आदेश दिए थे।

एनजीओ ने लगाया भ्रष्टाचार से जुड़े सबूत लूटने का आरोप: गैर सरकारी संगठन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने 14 फरवरी को डाडाकाड़ा गांव में उसके

द्वारा संचालित विद्यालय में चार व्यक्ति भेजे, जिन्होंने प्लीजेंट वैली फाउंडेशन के संयुक्त सचिव के कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ की तथा अधिकारियों के कथित भ्रष्टाचार से जुड़े सबूतों वाली फाइल, रिकॉर्ड, दस्तावेज तथा पेन ड्राइव लूट कर ले गए।

शिकायत में कहा गया है कि ऑफिस में घुसने वाले लोगों ने कथित तौर पर धमकी दी कि यदि एनजीओ द्वारा उक्त अधिकारियों के खिलाफ सतर्कता विभाग तथा अन्य कार्यालयों में दी गई शिकायतें तत्काल वापस नहीं ली गईं तो संगठन के अधिकारियों को झूठे मामलों में फंसा दिया जाएगा।

संगठन ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि कार्यालय में घुसे लोग अपने साथ पहले से टाइप दस्तावेज लाए थे और उन्होंने संयुक्त सचिव के साथ उन पर दस्तखत करने के लिए जबर्दस्ती भी की। शिकायत के अनुसार, जब शिकायतकर्ता ने इसका विरोध किया तो हमलावर वहां रखे 63,000 रुपये लेकर चले गए।

इंस्टाग्राम ने अश्लील सामग्री को धुंधला करना किया शुरू, कहा- युवाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम

लंदन, एजेंसी। युवाओं की सुरक्षा और यौन उत्पीड़न से निपटने के लिए इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम नए उपाय कर रहा है। इसमें ऐसी सुविधा भी शामिल है जो मेसेज में आने वाली अश्लील सामग्री को स्वतः धुंधला कर देगी।

युवाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम नहीं उठाने के लिए इंस्टाग्राम और अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। प्लेटफॉर्म ने गुरुवार को ब्रॉग पोस्ट में कहा कि वह यौन उत्पीड़न और छवि दुरुपयोग की घटनाओं से निपटने और अपराधियों के लिए किराओं से संपर्क बनाना कठिन करने के लिए कई उपायों का परीक्षण का रही है। इंस्टाग्राम ने कहा कि अपराधी अंतरंग तस्वीरों को मांगने के लिए सीधे मेसेज का



उपयोग करते हैं। इसे रोकने के लिए जल्द ही ननता संरक्षण सुविधा का परीक्षण शुरू किया जा रहा है और यह सुविधा ननता वाली तस्वीरों को स्वतः धुंधला कर देगी और लोगों को नन तस्वीरें भेजने से पहले दो बार सोचने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

बता दें कि यौन उत्पीड़न अथवा सेक्सटार्शन में किसी व्यक्ति को अश्लील तस्वीरें ऑनलाइन भेजने के लिए राजी करना और फिर पीड़ित को पैसों के लिए अथवा संबंध नहीं बनाने पर तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी देना शामिल है।

गाढ़े की दुकान में बंधक बनाए गए 37 चीनी टूरिस्ट ब्रिटेन में 12 भारतीय गिरफ्तार, इनमें एक महिला

सामान नहीं खरीद रहे थे, दूर गाइड पर 1 लाख रुपए का जुर्माना

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक गाढ़े की दुकान पर 37 टूरिस्ट को बंधक बना लिया गया। उन्होंने दुकान से कुछ नहीं खरीदा था। इसके बाद गाइस ने उन्हें घेर लिया और कई घंटों तक उन्हें शांति से निकलने नहीं दिया।

घटना 26 मार्च 2024 को युन्नान प्रांत के शहर में हुई। हालांकि, इससे जुड़े फोटो-वीडियो अब चीनी सोशल मीडिया साइट वीबो पर वायरल हो रहे हैं। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने दुकान को फिलहाल के लिए बंद कर दिया है। साथ

ही पर्यटकों को दुकान में लाने वाले दूर गाइड पर 1 लाख 18 हजार का जुर्माना लगाया है।

हंगकांग के मीडिया हाउस साउथ चाइना मॉनिंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, 37 चीनी पर्यटक लियाओनिंग प्रांत से युन्नान प्रांत घूमने आए थे। यहां वो एक गाढ़े की दुकान में पहुंचे। कुछ देर दुकान का सामान देखने के बाद सभी लोग बाहर जाने लगे। दुकानदार ने उन्हें रोका और सामान खरीदने के लिए मजबूर किया। पर्यटकों ने जब सामान नहीं खरीदा तो उन्हें बंधक बना लिया गया।

गाइस उन्हें घेरकर खड़े हो गए। कई घंटों तक टूरिस्ट दुकान में कैद रहे। इस दौरान उनकी दुकानदार से बहस भी हुई। इस दौरान एक टूरिस्ट ने वीडियो बनाया



शुरू कर दिया। इसमें कुछ पर्यटक थककर गद्दों पर ही बैठे दिखे। वहीं, कुछ पर्यटकों को गाइस ने पकड़ रखा था। वीडियो बनाने वाले टूरिस्ट ने कहा, हम

शहर की उस दुकान में खड़े हैं जहां गाढ़े मिलते हैं। हम दोपहर को यहां आए थे, अब शाम हो गई है। हम 37 लोगों के रूफ को बाहर जाने नहीं दिया जा रहा है।

सामान नहीं खरीदने पर पर्यटकों के साथ हुई बदसलूकी का यह पहला मामला नहीं है। साउथ चाइना मॉनिंग पोस्ट के मुताबिक, चीन में फोर्स शांफिंग (जबर्न खरीदारी करवाने) के मामले सामने आना आम बात है। ऐसे मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके पहले फरवरी 2024 में एक ही परिवार के 5 लोगों को टूरिस्ट बस से उतार दिया गया। उन्होंने 6 लाख रुपए की कीमत वाला सोने का ब्रेसलेट खरीदने से इनकार कर दिया था। अगस्त 2023 में एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एक दूर गाइड पर्यटकों को शांफिंग करने के लिए मजबूर करता और धमकी देता सुनाई दे रहा था। जबर्न खरीदारी करवाने को फोर्स शांफिंग के अलावा टूरिस्ट ट्रेप भी कहा जाता है।

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में 12 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला शामिल है। सभी गाढ़े और केक की फैक्ट्री में अवैध तरीके से नौकरी कर रहे थे। इन पर वीजा शर्तों के उल्लंघन के आरोप भी हैं।

ब्रिटेन के गृह मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, इमिग्रेशन इन्फोर्मेट अधिकाधिकारियों ने इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में गाढ़े के कारोबार से जुड़ी एक यूनिट पर छपा मारा। अधिकारियों को खुफिया सूचना मिली थी कि यहां अवैध रूप से काम हो रहा है।

4 लोग केक फैक्ट्री के गिरफ्तार किए गए बयान के मुताबिक, 7 भारतीयों को गाढ़े बनाने वाली फैक्ट्री से गिरफ्तार किया गया। वहीं, 4 लोगों को पास की केक फैक्ट्री से पकड़ा गया। इन चारों पर वीजा उल्लंघन के आरोप हैं। इसके अलावा एक भारतीय महिला को भी इमिग्रेशन क्रैडम के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों को कार्रवाई के बाद भारत वापस डिपोर्ट किया जा सकता है। जब तक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती इन लोगों को हिरासत में ही रखा जाएगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिद्धी विनायक प्रिंटेर्स 26 बी देशबुध परिसर प्रेस कॉम्प्लेक्स ज़ोन 1 एम पी नगर मोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाएं, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्रोत एवं संकलन लेखकों के स्वयं जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नहीं है।